डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.aadhuniksamachar.com

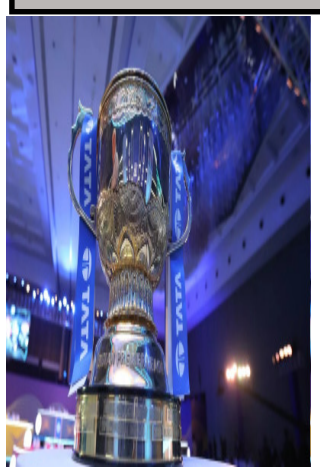

PG-5

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

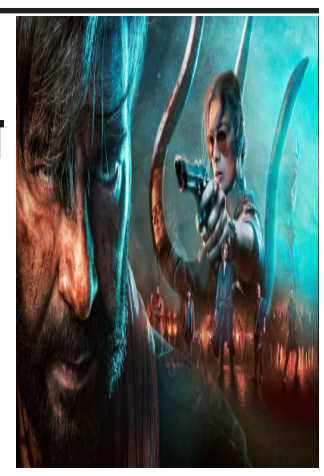

PG-8

सिनेमाः-क्या 'दृश्यम 2' जैसी कामयाबी दोहरा पाएगी अजय देवगन और तब्बू की जोड़ी

वर्ष -09 अंक -26 | प्रयागराज ,गुरुवार, 30, मार्च, 2023 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

राहुल गांधी ने जहां दिया था मोदी सरनेम पर विवादित बयान

(आधुनिक समाचार सेवा)

बेंगलुरु। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पांच अप्रैल को कोलार से पार्टी के राष्ट्रव्यापी 'सत्यमेव जयते' अभियान की शुरुआत करेंगे।

राहुल ने वर्ष 2019 में कोलार में ही मोदी उपनाम को लेकर टिप्पणी की थी जिसके लिए उन्हें सूरत की एक अदालत ने आपराधिक मानहानि का दोषी ठहराते हुए दो साल की सजा सुनाई थी। इसके बाद उनकी लोकसभा सदस्यता रद कर दी गई। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने बुधवार को पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री आनंद शर्मा के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान कहा, पांच अप्रैल को राहुल गांधी कोलार आएंगे और यहां से सत्यमेव जयते अभियान शुरू करेंगे। इसके लिए तैयारी चल रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और अन्य नेताओं की उपस्थिति में राहुल गांधी कोलार की धरती से बदलाव का संदेश देंगे।

चार लाख महिला उद्यमी संभालेंगी शहरी स्वच्छता की कमान

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। तीन सप्ताह के स्वच्छ उत्सव अभियान के तहत कचरा मुक्त शहर का लक्ष्य हासिल करने के लिए चार लाख से अधिक महिला उद्यमी शहरों में साफ-सफाई का नेतृत्व करने

जा रही हैं। इस अभियान का लक्ष्य ही स्वच्छता में महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व को बढ़ावा देना है। इसी कड़ी के तहत बुधवार को पूरे देश से आईं स्वच्छता दूतों ने साफ-सफाई को लेकर अपने अनुभव भी साझा किए। केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री हरदीप पुरी ने इस अभियान में दो हजार से ज्यादा नगरों की भागीदारी का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वच्छता के मामले में देश एक तरह से दुनिया का नेतृत्व कर रहा है, जिसके बारे में पहले सोचा भी नहीं जाता था।

सरकार ने 30 हजार से अधिक वेब लिंक ब्लॉक करने का दिया निर्देश

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। सरकार ने 2018 के बाद से 30,310 वेब लिंक को ब्लॉक करने के निर्देश जारी किया है, जिसमें सोशल मीडिया लिंक,पेज, खाते, चैनल, ऐप, वेब पेज, वेबसाइट आदि शामिल हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को संसद को इस बात की जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा को बताया कि आईटी नियमों के तहत गठित समिति ने कुल 41,172 (यूनिफॉर्म रिसोर्स लोकेटर) की जांच की गई, जो आईटी की अधिनियम 2000 की धारा 69ए के तहत ब्लॉक करने के लिए विभिन्न मंत्रालयों, विभागों और राज्यों में नोडल अधिकारियों से प्राप्त हुए थे।

सीएपीएफ में चिकित्सा अधिकारियों की भर्ती में गड़बड़ी, अधिक वजन वाले उम्मीदवारों के मेडिकल रिकार्ड में हेरफेर

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। सीबीआई ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) में चिकित्सा अधिकारियों की भर्ती में अधिक वजन वाले उम्मीदवारों के मेडिकल रिकार्ड में हेरफेर करने के आरोप में मंगलवार को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के दो मुख्य चिकित्सा अधिकारियों और छह अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। एफआइआर में बीएसएफ कोलकाता में सीएमओ डा एस के झा; सीएमओ बीएसएफ जोधपुर, डा मृणाल हजारिका, बीएसएफ जालंधर में विशेषज्ञ डा बानी सैकिया चेतला, विक्रम सह देवठिया, गगन शर्मा, गुरजीत सह जुनेजा, मुकुल व्यास और अन्य व्यक्ति के नाम शामिल हैं। प्राथमिकी बीएसएफ की एक जांच रिपोर्ट के आधार पर दर्ज की गई है। भर्ती परीक्षा पैंइइ के विभिन्न केंद्रों पर की गई आयोजित गृह मंत्रालय द्वारा केंद्रीय सशस्त्र के लिए चिकित्सा

अधिकारियों की भर्ती के लिए भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आइटीबीपी) को नोडल बल के रूप में नामित किया गया था। भर्ती परीक्षा सीएपीएफ के विभिन्न केंद्रों पर आयोजित की गई थी। इसके बाद साक्षात्कार बोर्ड के अध्यक्ष पीवी राम शास्त्री ने आइटीबीपी के डीजी को सूचित किया कि मेडिकल परीक्षा में अधिक वजन के कारण अयोग्य घोषित किए गए उम्मीदवार चिकित्सा परीक्षा की समीक्षा (आरएमई) में फिट कैसे हो गए? यह जांच का विषय है।जांच में बीएसएफ के तीन चिकित्सा अधिकारियों वाले आरएमई ने शारीरिक मानक परीक्षण (पीएसटी) की तारीख के ठीक तीन दिनों के बाद समीक्षा चिकित्सा परीक्षण किया और शारीरिक मानक परीक्षण (पीएसटी) के दौरान दर्ज वजन की तुलना में ऐसे पांच उम्मीदवारों के वजन को कम पाया गया इस मामले में एक उम्मीदवार का वजन पांच मार्च, 2022 को 91.820 किलोग्राम था, जबकि मेडिकल रिव्यू बोर्ड ने आठ मार्च, 2022 को 10.280 किलोग्राम के अंतर के साथ उसका वजन 81 किलोग्राम दर्ज किया था।

रूसी सुरक्षा परिषद के सचिव पत्रुशेव ने पीएम मोदी से की मुलाकात द्विपक्षीय सहयोग पर की चर्चा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। रूसी सुरक्षा परिषद के सचिव निकोलाई पेत्रुशेव ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग के मुद्दों पर चर्चा की गई। भारत में रूसी दूतावास ने बैठक के संबंध में जानकारी दी। भारत में रूसी दूतावास ने ट्वीट किया, ठनई दिल्ली में, रूसी सुरक्षा परिषद के सचिव निकोले पेत्रुशेव का भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वागत किया।

रूस-भारत के आपसी हित के द्विपक्षीय सहयोग के मुद्दों पर चर्चा की गई।ठ इससे पहले दिन में, निकोलाई पत्रुशेव ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मुलाकात की। बैठक के दौरान, दोनों पक्षों ने सुरक्षा क्षेत्र में रूस और भारत के बीच और सहयोग के तरीकों को रेखांकित किया। भारत में रूसी दूतावास ने ट्वीट किया, ठनई दिल्ली की यात्रा के दौरान निकोलाई पेत्रुशेव ने भारत के प्रधानमंत्री व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मुलाकात की। दूतावास ने कहा, ठसुरक्षा के क्षेत्र में रूस और भारत के बीच और सहयोग के तरीकों की रूपरेखा तैयार की गई है। सामयिक क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचारों का गहन आदान-प्रदान भी हुआ।ठ मालूम हो कि निकोलाई पत्रुशेव ने बुधवार को नई दिल्ली में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों की सुरक्षा परिषदों के सचिवों की 18वीं बैठक में भी भाग लिया। बैठक के दौरान एससीओ क्षेत्र में सुरक्षा और स्थिरता के क्षेत्र में स्थिति पर चर्चा की गई बैठक के दौरान, निकोलाई पेत्रुशेव ने सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों को बनाए रखने, संप्रभु राज्यों के घरेलू मामलों में हस्तक्षेप को रोकने के साथ-साथ एकतरफा प्रतिबंधों और प्रतिबंधात्मक उपायों की नीति का मुकाबला करने की आवश्यकता पर विशेष ध्यान दिया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध, आतंकवाद और नव-नाजीवाद के पुनरुत्थान से संयुक्त रूप से लड़ने के लिए विशिष्ट उपायों पर जोर दिया।

9 पिघलते ग्लेशियरों का अध्ययन, 76 पर नजर

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। हिमालयी क्षेत्र में अध्ययन किए गए अधिकांश ग्लेशियर पिघल रहे हैं। इसकी जानकारी केंद्र सरकार ने एक संसदीय समिति को दी है। उन्होंने बताया कि विभिन्न क्षेत्रों में इनके पिघलने की दर अलग-अलग है। पिघले हुए ग्लेशियरों ने ना सिर्फ हिमालय की नदी प्रणालियों के प्रवाह को बुरी तरह से प्रभावित किया है बल्कि इससे प्राकृतिक आपदाओं की घटना भी बढ़ सकती है। बुधवार को लोकसभा में पेश संसद की स्थायी समिति की रिपोर्ट में बताया गया है कि हिमालय के ग्लेशियरों के बड़े पैमाने पर पिघलने और अपना स्थान छोड़ने की घटनाएं सालों में बढ़ी हैं। जल संसाधन विभाग, नदी विकास और गंगा पुनरोद्धार विभाग का कहना है कि भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने 9 पिघलते ग्लेशियरों पर अपना गहन अध्ययन कराया है। इसके अलावा अपने स्थान से पीछे हटने या आगे बढ़ने वाले 76 ग्लेशियरों की भी निगरानी की जा रही है। रिपोर्ट में बताया गया है कि विभिन्न क्षेत्रों में हिमालय के ग्लेशियरों में अधिकांश विभिन्न दरों से या तो पिघलते जा रहे हैं या फिर अपने स्थान से पीछे खिसकते जा रहे हैं।विभाग ने इस बात पर भी ध्यान केंद्रित कराया है कि पर्यावरण में बदलाव के कारण

ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने से हिमालयी नदी प्रणालियों के प्रवाह में तो बदलाव आएगा ही बल्कि ग्लेशियर की झीलों के फटने से बाढ़, ग्लेशियरों के कारण बर्फीले तूफान और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाएं बढ़ जाएंगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्लेशियरों के पिघलने से पहाड़ों पर और तलहटी में रहने वाली आबादी की आजीविका भी खतरे में पड़ जाएगी। ऐसे बदलावों से हिमालय के जैवविविधता संरक्षण और इकोसिस्टम पर भी नकारात्मक असर पड़ेगा।संसद की स्थायी समिति ने जल विज्ञान संबंधी सूचनाओं को पड़ोसी देशों से साझा करने में कमी पर भी सवाल उठाए हैं। समिति का कहना है कि इस संबंध में पड़ोसी देशों से कोई विशेष समझौता या संधि नहीं है।

आत्मनिर्भर भारत अभियान में 5,400 करोड़ के रक्षा उपकरणों की खरीद

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत रक्षा सामग्री के उत्पादन से जुड़ी कंपनियों को बड़े क्रय आदेश मिले हैं। रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड

(बीईएल) के साथ दो सौदों और न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) के साथ एक सौदे पर हस्ताक्षर किए। तीनों सौदे करीब 5,400 करोड़ रुपये की धनराशि के हैं। बता दें कि यह सौदा 412 करोड़ रुपये का हुआ है और इन उपकरणों का इस्तेमाल नौसेना करेगी, जबकि एनएसआईएल से आधुनिक कम्युनिकेशन सेटेलाइट जीएसएटी 7 बी तैयार करने के लिए समझौता हुआ है। 2,963 करोड़ रुपये के इस सेटेलाइट से भारतीय सेना को संवाद संबंधी काफी सुविधाएं मिलेंगी। एनएसआईएल अंतरिक्ष विभाग के अंतर्गत कार्य करने वाली सरकारी संस्था है। रक्षा उपकरण बनाने वाले सरकारी क्षेत्र के उपक्रम हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को भारत सरकार की ओर से 6,828 करोड़ रुपये का क्रय आदेश मिला है। एचएएल इस धनराशि से 70 एचटीटी-40 विमान तैयार करेगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस सौदे को स्वीकृति दी है। केंद्र सरकार के ताजा क्रय आदेश से एचएएल के करीब तीन हजार अधिकारियों और कर्मचारियों को काम मिलेगा।

पीएम मोदी ने दी रामनवमी की शुभकामनाएं, बोले- भगवान राम का जीवन हर युग में मानवता के लिए प्रेरणा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। देशभर में आज रामनवमी मनाई जा रही है। रामनवमी का पर्व आज देशभर में पारंपरिक श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। आज ही के दिन भगवान राम का जन्म हुआ था। रामनवमी चैत्र मास के नौवें दिन मनाई जाती है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने इस अवसर पर लोगों को बधाई दी है। इस अवसर पर पीएम मोदी ने भी लोगों को बधाई दी है। राष्ट्रपति मुर्मु ने ट्वीट कर रामनवमी की बधाई दी और कहा कि 'राम नवमी पर सभी देशवासियों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। मर्यादा पुरूषोत्तम श्री राम के चरित से त्याग व सेवा का अमूल्य संदेश मिलता है। सभी देशवासी, प्रभु राम के उच्च आदर्शों को आचरण में ढालें और एक गौरवशाली भारत के निर्माण के लिए स्वयं को समर्पित

करें, ऐसी मेरी मंगलकामना है उन्होंने लोगों से भगवान राम के आदर्शों को आत्मसात करने और भारत को एक गौरवशाली राष्ट्र बनाने में स्वयं को समर्पित करने का आग्रह किया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को ट्वीट कर रामनवमी के शुभ अवसर पर लोगों को बधाई दी और कहा कि भगवान राम का जीवन हर युग में मानवता के लिए प्रेरणा हैं। मोदी ने उनकी जयंती के अवसर पर मनाए जाने वाले त्योहार के अवसर पर ट्वीट किया, 'मर्यादा पुरुषोत्तम' भगवान राम का जीवन त्याग, तपस्या, संयम और संकल्प पर आधारित था। गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट किया कि सभी को रामनवमी के महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं। मर्यादा पुरुषोतम प्रभु श्रीराम ने धर्म और सत्य के मार्ग पर चलने के साथ विकट परिस्थितियों में भी धैर्य और सभी के लिए एक समान दयालुता के भाव की शिक्षा पूरे मानव जगत को दी। प्रभु श्रीराम सभी पर अपनी वृपा बनाये। जय श्रीराम रामनवमी का पर्व आज देशभर में धार्मिक श्रद्धा और उल्लास से मनाया जा रहा है। यह पर्व भगवान विष्णु के सातवें अवतार भगवान राम के जन्म के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। हिंदू कैलेंडर के अनुसार रामनवमी चैत्र मास के नौवें दिन मनाई जाती है। रामनवमी से पहले नौ दिन के नवरात्र व्रत रखे जाते हैं। रामनवमी के अवसर पर भक्तों ने राम लला मंदिर में पूजा अर्चना की और सरयू नदी में श्रद्धालुओं ने पावन स्नान किया।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा- एलएसी पर चीन के साथ काम अधूरा, समाधान खोजने के लिए प्रयास जारी

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को कहा कि चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर काम अधूरा है और दोनों पक्षों की सेनाएं व राजनयिक इस मुद्दे का समाधान खोजने के लिए काम कर रहे हैं। एक कार्यक्रम में जयशंकर ने राहुल गांधी द्वारा एलएसी पर स्थिति और यूक्रेन संघर्ष की तुलना करने के प्रयास की निंदा करते हुए कहा, 'यूक्रेन में आज जो कुछ हो रहा है, उस पर एक पक्ष कहेगा कि नाटो के विस्तार और यूक्रेन की सत्ता के चरित्र से खतरा है। पश्चिम कहेगा कि रूस विस्तारवादी है। इसके और भारत-चीन के बीच क्या समानता है यहां नाटो की कोई भूमिका नहीं है, यहां सत्ता के चरित्र की कोई भूमिका नहीं है। मुझे कोई समानता नहीं दिखती। जयशंकर ने यह भी कहा कि भारत के गश्ती क्षेत्रों में बफर जोन बनाए जाने के बारे में ''अफवाह'' फैलाई गई। उन्होंने कहा कि 2020 में गलवन संघर्ष के बाद सेना और कूटनीति के मिश्रण ने प्रगति की है, लेकिन दोनों पक्ष अभी तक सभी मुद्दे नहीं सुलझा पाए हैं। एलएसी पर वर्तमान स्थिति के बारे में उन्होंने कहा, ''जो कुछ भी किया गया है वह आपसी सहमति और वार्ता के जरिये किया गया है, लेकिन यह काम अभी भी अधूरा है।'' विदेश मंत्री ने कहा कि चीन के साथ रिश्तों को समझने के लिए दोनों देशों के बीच समस्या की प्रकृति को समझना होगा। उन्होंने कहा, ''भारत और चीन के बीच समस्या की प्रकृति यह है कि दोनों सेनाएं जो एलएसी पर या उसके पास या उसके बहुत पास तैनात

नहीं थीं। मई-2020 से पहले दोनों सेनाएं मुख्य रूप से दूरस्थ स्थानों में तैनात थीं जहां उनके स्थायी ठिकाने थे। 2020 में चीनियों ने 1993-96 के समझौते का उल्लंघन किया और उन्हें एलएसी पर सेना ले आए।उन्होंने कहा कि जाहिर तौर पर हमने इसका प्रतिकार किया। नतीजतन, अब बहुत अधिक करीबी तैनाती की एक बहुत ही जटिल स्थिति है जो सैन्य आकलन के अनुसार एक बहुत ही खतरनाक स्थिति है।विदेश मंत्री ने कहा कि भारत ने चीन को स्थिति के बारे में आगाह किया था लेकिन फिर गलवन हुआ जो इस बात का सुबूत था कि स्थिति कितनी अस्थिर हो सकती है।उन्होंने कहा कहा, ''मैं सितंबर-2020 में अपने चीनी समकक्ष से मिला था और उन्होंने स्वीकार किया कि यह एक खतरनाक स्थिति थी। तब से हम अग्रिम तैनाती को पीछे करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन यह तभी किया जा सकता है जब आपसी सहमति हो।'' जयशंकर ने कहा कि हो सकता है कि भारत ने अतीत में इस तरह के कुछ एकतरफा कदम उठाए हों, लेकिन पाया कि यह दूसरे पक्ष ने ऐसा नहीं किया था। उन्होंने कहा, ''हमने जो कुछ भी किया है वह आपसी और समान सुरक्षा के सिद्धांत के आधार पर किया है, जिसका मतलब है कि अगर हम यहां से वापस जाते हैं, तो वे वहां वापस चले जाते हैं।जयशंकर ने बुधवार को कहा कि किसी विदेशी राजनयिक ने लोकसभा से राहुल गांधी को अयोग्य घोषित किए जाने का मुद्दा नहीं उठाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता को उसी कानून के तहत अयोग्य घोषित किया गया है, जिसका उन्होंने खुद समर्थन किया था। राहुल को इसलिए अयोग्य ठहराया गया है क्योंकि उन्होंने चार वर्ष पहले एक समुदाय के विरुद्ध की गई आपत्तिजनक टिप्पणी पर अफसोस जताने से इन्कार कर दिया था। जयशंकर ने कहा कि भारत जी20 को वैश्विक वृद्धि और विकास के मूल एजेंडे पर लाने में कामयाब रहा है। पिछले वर्ष तक यह यूक्रेन युद्ध जैसे मुद्दों से जूझ रहा था। उन्होंने कहा कि जी20 संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद नहीं है। यह अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के मुद्दे पर चर्चा करने का प्राथमिक मंच नहीं है। भारत चाहेगा कि वह दुनिया के लगभग 200 देशों से संबंधित मामलों पर लौट आए। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा जैसे मुद्दे मायने रखते हैं, लेकिन खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, राष्ट्रों के लिए हरित वित्तपोषण जैसे गंभीर मुद्दे भी चिंता के विषय हैं। एरिक गार्सेटी के भारत में अमेरिकी राजदूत के रूप में नियुक्ति और मानवाधिकारों पर उनके विचारों के बारे में रिपोर्ट पर जयशंकर ने कहा कि उन्हें सौ प्रतिशत प्यार से समझा देंगे। गार्सेटी ने कहा था कि वह नागरिकता संशोधन अधिनियम आदि के माध्यम से होने वाले मानवाधिकार और भेदभाव के मुद्दों पर नियुक्ति के बाद बातचीत करेंगे।

यूपीए काल में मोदी को फंसाने के लिए दबाव डाल रही थी सीबीआई

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार के दौरान गुजरात में एक कथित फर्जी मुठभेड़ मामले में तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी को 'फंसाने' के लिए सीबीआई उन पर 'दबाव' डाल रही थी। शाह ने यहां एक कार्यक्रम में यह बात तब कही जब उनसे पूछा गया कि क्या मोदी सरकार विपक्ष को निशाना बनाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का 'दुरुपयोग' कर रही है शाह ने कहा कि सीबीआई

कथित फर्जी मुठभेड़ मामले में पूछताछ के दौरान मोदी को फंसाने के लिए मुझ पर दबाव बना रही थी। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद भाजपा ने कभी हंगामा नहीं किया। केंद्रीय गृह मंत्री कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी अकेले ऐसे नेता नहीं हैं जिन्होंने अदालत द्वारा दोषी ठहराए जाने के बाद सदन की सदस्यता गंवाई है। इसे लेकर हो हल्ला मचाने की जरूरत नहीं है।शाह ने कहा कि राहुल को अपने मामले की पैरवी के लिए ऊपरी अदालत में जाना चाहिए। लेकिन ऐसा करने के बजाय वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर आरोप लगाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस बेवजह यह भ्रम फैला रही है कि सजा पर स्टे नहीं हो सकता। अदालत चाहे तो स्टे दे सकती है।राहुल गांधी पर बोले केंद्रीय गृह मंत्री शाह शाह ने कहा कि राहुल ने अपनी सजा पर रोक लगाने की अब तक अपील नहीं की है। यह किस तरह का अहंकार है? आप अहसान चाहते हैं। एक सांसद के रूप में भी बने रहना चाहते हैं लेकिन अदालत के समक्ष जाना नहीं चाहते आखिर क्यों। गृह मंत्री ने कहा, ''यह महाशय पहले व्यक्ति नहीं हैं। बड़े पदों पर आसीन और उनसे अधिक अनुभव रखने वाले राजनेता भी इस प्रविधान के कारण अपनी सदस्यता खो चुके हैं।उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद यादव, जे.जयललिता और राशिद अल्वी सहित 17 राजनेताओं को अदालतों द्वारा दोषी ठहराया गया जब वे या तो विधानसभा या संसद के सदस्य थे। इन लोगों ने संप्रग काल में 2013 में बने कानून के तहत सजा सुनाए जाते ही अपनी सदस्यता खो दी। इन लोगों ने देश के कानून का पालन किया और इनमें से किसी ने भी काले कपड़े पहनकार विरोध नहीं जताया उन्होंने कहा कि जब लालू अयोग्य ठहराए गए तो लोकतंत्र खतरे में नहीं पड़ा लेकिन जैसे ही गांधी परिवार के सदस्य को अयोग्य ठहराया गया लोकतंत्र को खतरे में बताया जाने लगा। लोग तो यहां तक कह रहे हैं कि गांधी परिवार के लिए अलग कानून होना चाहिए।शाह ने कहा कि आप राहुल का पूरा भाषण सुनें उन्होंने न केवल प्रधानमंत्री मोदी को अपशब्द कहे बल्कि मोदी समुदाय और ओबीसी समाज को गालियां दीं। उन्होंने जानबूझकर ऐसा भाषण दिया था। अगर राहुल इसके लिए माफी नहीं मांगते तो उन्हें जमानत के लिए भी आवेदन नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश का कानून स्पष्ट है।

जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को लगाई फटकार

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति (शासी निकाय) की बैठक सम्पन्न हुई। जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा में ई-कवच पोर्टल,आर0 बी0 एस0वे0, वी एच एन डी, आर0सी0एच0 पोर्टल, परिवार कल्याण कार्यक्रम, बच्चे के टीकाकरण आदि की प्रगति खराब पाये जाने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग से जुड़े सभी अधिकारियों को फटकार लगाते हुये स्वास्थ्य सेवायें तथा जनता से जुड़ी योजनाओं को बेहतर तरीके से संचालित करने के निर्देश दिये। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत गोल्डेन कार्ड में प्रगति खराब पाये जाने पर प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के जिला समन्वयक डा0 सुधाकर सहित दो अन्य विवेक त्रिपाठी व अंजनी को नोटिस जारी करने का निर्देश। जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा में डीपीएम द्वारा स्वास्थ्य विभाग से सम्बन्धित दिये गये आकड़ों एवं कार्यो की प्रगति ठीक न पाये जाने पर जिलाधिकारी ने काफी अप्रसन्नता व्यक्त की और स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारियों, प्रभारी चिकित्साधिकारियों को निर्देशित किया कि अधिकारीगण अपने-अपने कार्यो के प्रति सजग रहे, दी गयी जिम्मेदारियों का शत् प्रतिशत निर्वहन करें, स्वास्थ्य कार्यो के आंकड़ो को पोर्टल पर समय से अंकित करें, लापरवाही कदापि न बरते अन्यथा सम्बन्धित अधिकारी के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी। जिलाधिकारी ने जनपद के स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े अधिकारियों को सचेत करते हुये कहा कि शासन की मंशा की विपरीत कार्य करने वाले कर्मचारियों को कदापि बख्शा नहीं जायेगा। पीएचसी एवं सीएचसी में संस्थागत प्रसव की प्रगति खराब प्रगति पायी गयी है। प्रभारी चिकित्साधिकारियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों को गोल्डेन कार्ड बनाये जाने की प्रगति ठीक नही पायी गयी जिस पर जिलाधिकारी ने प्रभारी चिकित्साधिकारियों को भी कड़ी फटकार लगायी।उन्होने निर्देशित किया कि जनसामान्य को उपलब्ध कराये जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बनाये रखे, समय पर अस्पतालों में डाक्टरों एवं पैरामेडिकल की उपस्थिति अनिवार्य रूप से हो। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि स्वास्थ्य सेवाओं की मानीटरिंग ठीक ढंग से करें, लापरवाही बरतने वाले डाक्टरों व अन्य सम्बन्धित कर्मचारियों के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही करें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 जीएम शुक्ला सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं सभी प्रभारी चिकित्साधिकारी एवं स्वास्थ्य समिति के नामित सदस्य उपस्थित रहे।

अतीक के आगे नहीं झुके राजूपाल हत्याकांड के विवेचक, पाक से आता था धमकी भरा फोन

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। चौथे विवेचक अतीक के आतंक के आगे नहीं झुके। चौथे विवेचक के पास पाकिस्तान के नंबर से फोन आता था। उन्हें 50 लाख की पेशकश की गई। अतीक अहमद का खौफ एक समय न सिर्फ आम लोगों में, बल्कि पुलिस विभाग में भी व्याप्त था। पूरे देश को दहला देने वाले राजू पाल हत्याकांड में चार साल में चार विवेचक बदल गए। विवेचकों पर इतना दबाव था कि कोई भी इस घटना की विवेचना नहीं करना चाहता था। अब इस मामले की जांच सीबीआई कर रही है राजू पाल हत्याकांड के चौथे विवेचक नारायण सिंह परिहार को 2008 में 50 लाख रुपये का ऑफर दिया गया। न मानने पर दुष्कर्म में फंसाने की धमकी भी दी गई लेकिन नारायण सिंह नहीं झुके। उन्होंने न सिर्फ अतीक-अशरफ और उनके गुर्गों के खिलाफ चार्जशीट लगाई, बल्कि छह और आरोपियों को भी एफआईआर में शामिल किया, जिसमें गुड्डू मुस्लिम भी था। उनके मोबाइल पर कई बार पाकिस्तान के नंबरों से धमकी भरे फोन आए। विधायक राजू पाल को 25 जनवरी 2005 को दिनदहाड़े गोलियों से भून दिया गया था। इस मामले में पहली विवेचना तत्कालीन थानाध्यक्ष धूमनगंज परशुराम सिंह को मिली थी। इसके बाद इंस्पेक्टर कोतवाली रहे सुरेंद्र सिंह को इसकी विवेचना सौंपी गई। सुरेंद्र सिंह ने महीनों मेहनत कर चार्जशीट तैयार की। चार्जशीट में अब्दुल कवि समेत दो और लोगों का नाम बढ़ाए लेकिन उनका ट्रांसफर कर दिया गया। इसके बाद इंस्पेक्टर कोतवाली रहे एचएस राय को विवेचना सौंपी गई। मामला चलता रहा। एचएस राय ने लिख दिया कि अब्दुल कवि नाम का कोई शख्स ही नहीं है। 2008 में चौथे विवेचक नारायण सिंह परिहार को विवेचना सौंपी गई, जोकि अब रिटायर हो चुके हैं। कागज में लिख रखा था, मेरी मौत होने पर अतीक होगा जिम्मेदार नारायण सिंह बताते हैं कि उनकी विवेचना में छह और लोगों के नाम जोड़े गए। इसमें गुड्डू मुस्लिम का भी था। जब वे विवेचना कर रहे थे तो उनके पास कई बार पाकिस्तान के नंबरों से धमकी भरे फोन आए। कहा गया कि 'भाई' को फंसाया तो बचोगे नहीं। उन्होंने पूरी जानकारी अधिकारियों को दी। डीजीपी को भी बताया। इसी के बाद वे अपनी जेब और घर के ब्रीफकेस में एक कागज रखने लगे, जिसमें लिखा था कि उनकी मौत किसी कारण से हुई तो इसकी जिम्मेदार अतीक अहमद ही होगा। एक बार तो उन्हें 50 लाख का ऑफर दिया गया। कहा गया कि चार्जशीट भी लगा दो लेकिन केस ऐसा बनाओ कि अदालत में टिक न पाए। एक बार दबी जुबान में धमकी दी गई कि अतीक जिसको चाहता है, उसे दुष्कर्म में फंसा देता है। राजू पाल हत्याकांड में नारायण सिंह परिहार के बाद विवेचना 2009 में सीबीसीआईडी को सौंपी गई। 2016 से जांच सीबीआई कर रही है।

अशोक चक्र श्रृंखला के पुरस्कारों हेतु सिफारिशें 30 अप्रैल तक

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रतापगढ़। अपर जिलाधिकारी/प्रभारी अधिकारी संयुक्त कार्यालय कलेक्ट्रेट त्रिभुवन विश्वकर्मा द्वारा अवगत कराया गया कि सामान्य प्रशासन अनुभाग उ0प्र0 शासन द्वारा स्वतंत्रता दिवस 2023 के अवसर पर प्रदान किए जाने वाले शौर्य पुरस्कारों की सिफारिशें 30 अप्रैल तक की जा सकती हैं। घोषित किये जाने वाले अशोक चक्र श्रृंखला के अन्तर्गत देय पुरस्कारों यथा अशोक चक्र, कीर्ति चक्र एवं शौर्य चक्र की सिफारिश हेतु सम्बन्धित तहसील के उपजिलाधिकारियों को नामित किया गया है।इच्छुक पात्र व्यक्ति अपने क्षेत्र के उपजिलाधिकारी से सम्पर्क कर 30 अप्रैल 2023 तक नियत प्रारूप पर प्रस्ताव भेजवायें। अशोक चक्र श्रृंखला के शौर्य पुरस्कार देश के सर्वोच्च शौर्य पुरस्कारों में से है।ये पुरस्कार तीन श्रेणियों में दिये जाते है अर्थात् अशोक चक्र (यह अत्यधिक वीरतापूर्ण कार्य या साहसिक कार्य या उत्कृष्ट कार्य या आत्म बलिदान के कार्य के लिये प्रदान किया जाता है), कीर्ति चक्र (यह अत्यधिक उत्कृष्ट शौर्य के लिये प्रदान किया जाता है) और शौर्य चक्र (यह शौर्य के लिये प्रदान किया जाता है)। इन पुरस्कारों की घोषणा भारत सरकार द्वारा हर वर्ष गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस के अवसर की जाती है।

ट्रैक्टर चालक की गोली व बम मारकर हत्या के दोषी को आजीवन कारावास

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। सपिपरी कोतवाली के हरदरमऊ गांव के समीप 16 साल पहले दिन-दहाड़े ट्रैक्टर चालक शिवदास की गोली व बम मारकर हत्या करने के दोषी को अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। दोषी को 30 हजार रुपया जुर्माना अदा करने का भी आदेश दिया है। कौशाम्बी कोतवाली के जाठी गांव निवासी शिवदास अनुसूचित जाति के थे। वह एक ईंट भट्ठे में ट्रैक्टर चलाते थे। शिवदास के भतीजे श्रीनाथ ने पुलिस में मुकदमा दर्ज कराया था कि 19 जनवरी 2007 को उसका चाचा शिवदास ट्रैक्टर पर मजदूरों को लेकर ईंट भट्ठा जा रहा था। पिपरी कोतवाली के हरदरमऊ गांव के समीप काले रंग की स्कार्पियों से आए जाठी गांव के बिल्ला सिंह उर्फ धर्म सिंह ने अपने साथी पप्पू के साथ मिलकर ओवरटेक करते हुए शिवदास को ट्रैक्टर से खींच लिया।

सजा के बाद भी मुस्लिम मतों के ध्रुवीकरण के केंद्र में रहेगा अतीक

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। अब सपा-बसपा की नजर मुस्लिमों परमाफिया अतीक अहमद एक बार फिर मुस्लिम मतों के ध्रुवीकरण के केंद्र में होगा। माफिया का शहर पश्चिमी सीट पर लगातार जनाधार गिरता गया। बदले माहौल में सपा और बसपा की नजर मुस्लिमों पर है। बदलते सियासी समीकरण के बीच अतीक अहमद को केंद्र में रखकर मुस्लिम मतों के ध्रुवीकरण की कवायद शुरू हो गई है। अतीक का अपने गढ़ शहर पश्चिमी सीट में भले ही लगातार जनाधार खिसकता चला गया हो, लेकिन मुस्लिम मतदाताओं के बीच सरकार विरोधी भावना को भुनाने में सभी विपक्षी दलों में होड़ है। उमेश पाल हत्याकांड के बाद बसपा प्रमुख मायावती और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयानों को इसी रूप में देखा जा रहा है। अतीक अहमद शहर पश्चिमी से 1989 में पहली बार विधायक चुना गया और इसके बाद लगातार पांच बार विधानसभा पहुंचने में सफल रहा। इस दौरान शहर पश्चिमी के अलावा अगल-बगल की सीटों की सियासत में भी उसका दखल रहा, लेकिन राजू पाल की हत्या के बाद जनाधार लगातार खिसकता गया। भाई अशरफ के अलावा खुद अतीक को 2012 में पूजा पाल से पराजय मिली थी। अतीक और अशरफ को अलग-अलग चुनावों में मिले मतों को देखें तो लगातार इसमें कमी आई। 2004 में अतीक फूलपुर से सांसद चुना गया था। 2004 के चुनाव में अतीक को 2,65, 432 वोट मिले थे, लेकिन 2018 में फूलपुर लोकसभा के लिए हुए उपचुनाव में उसे महज 48, 096 मत मिले 2005 के उपचुनाव में अशरफ ने पूजा पाल को हराया सांसद चुने जाने के बाद अतीक ने शहर पश्चिमी की राजनीतिक विरासत भाई अशरफ को सौंप दी लेकिन 2004 के चुनाव में वह राजू पाल से हार गया। अशरफ को उस चुनाव में 65715 वोट मिले थे। इसके बाद राजू पाल की हत्या के बाद 2005 में हुए उपचुनाव में 90836 वोट पाकर अशरफ ने पूजा पाल को हरा दिया लेकिन 2007 के चुनाव में वह पूजा पाल से हार गया। अशरफ को सिर्फ 45876 वोट मिले थे इसके बाद लोकसभा चुनाव में हार मिलने के बाद अतीक ने फिर से शहर पश्चिमी विधानसभा की ओर रुख किया। उसने 2012 विधानसभा का चुनाव खुद लड़ा, लेकिन पूजा पाल से हार मिली। दूसरे स्थान पर रहे अतीक को 62229 वोट मिले थे। मुस्लिम मतदाता पहले से भाजपा के खिलाफ इस तरह से लगातार हार एवं घटते जनाधार की वजह से अतीक या उसके परिवार की सियासी पारी पर ग्रहण लगने की बात तो कही जा रही है लेकिन मुस्लिम मतों के ध्रुवीकरण में अब भी अतीक को एक फैक्टर के रूप में देखा जा रहा है। जानकारों का कहना है कि मुस्लिम मतदाता पहले से भाजपा के खिलाफ हैं। ऐसे में मुख्तार अंसारी और अतीक अहमद के खिलाफ लगातार कार्रवाइयों से मुस्लिमों के एक वर्ग में नाराजगी बढ़ने की बात कही जा रही है इसका अनुमान इससे ही लगाया जा सकता है कि उमेश पाल अपहरण कांड में अतीक को आजीवन कारावास सुनाए जाने के बाद कटरा स्थित बख्तियारी के एक युवा की टिप्पणी रही, भाई जेल में गया तो क्या, उसका कुछ बिगड़ थोड़े गया है। इस तरह की टिप्पणियां कई अन्य लोगों की भी थीं। ऐसे में माना जा रहा है कि एक वर्ग अब भी है जो अतीक के साथ है। अतीक अब उतना बड़ा फैक्टर नहीं रह गया इस पूरे मामले में वरिष्ठ वामपंथी नेता हरिश्चंद्र द्विवेदी का कहना है कि अतीक अब उतना बड़ा फैक्टर नहीं रह गया है। एक वर्ग उसके साथ जरूर है। मुस्लिम भाजपा के खिलाफ हमेशा रहे हैं। इस भावना का लाभ उठाने के लिए नेता अतीक एवं मुख्तार का नाम जरूर ले रहे हैं। वहीं सीएमपी डिग्री कॉलेज के राजनीति विज्ञान विभाग के डॉ. संजय पांडेय का कहना है कि मुस्लिमों में भाजपा को लेकर एक धारणा पहले से है। ऐसे में मुख्तार और अतीक के खिलाफ कार्रवाई से ध्रुवीकरण बढ़ेगा।

इंस्पेक्टर कोखराज व प्रतिसार निरीक्षक सस्पेंड

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। अफसरों की सख्ती के बाद दफ्तर में साफ-सफाई नहीं रखना इंस्पेक्टर कोखराज रमेश पटेल व प्रतिसार निरीक्षक चंद्रशेखर शर्मा को भारी पड़ गया। निरीक्षण पर आए आईजी चंद्रप्रकाश ने दोनों स्थानों पर गंदगी पाए जाने पर नाराजगी जाहिर करते हुए दोनों को निलंबित कर दिया। आईजी चंद्र प्रकाश ने आठ मार्च को कोखराज कोतवाली का निरीक्षण किया था। परिसर में गंदगी का अंबार लगा हुआ था। नालियां भी चोक थी। अभिलेख भी दुरुस्त नहीं मिले थे। इसी तरह 17 मार्च को पुलिस लाइन का भी आईजी ने निरीक्षण किया था। यहां पर भी साफ-सफाई का अभाव मिला। अभिलेख भी दुरुस्त नहीं पाए गए। पुलिस विभाग के सूत्रों की मानें तो आईजी ने जिला स्तरीय अफसरों के निरीक्षण आख्या देखी तो उसमें भी ज्यादातर ने गंदगी व साफ-सफाई का खास ख्याल रखने के लिए ताकीद किया था। इसी से नाराज आईजी ने मंगलवार को इंस्पेक्टर रमेश पटेल और आरआई चंद्रशेखर शर्मा को सस्पेंड कर दिया।

बेकाबू वाहन की टक्कर से जख्मी बेलदार की मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)

मंझनपुर। सदर कोतवाली के समदा गांव के समीप सोमवार शाम बेकाबू वाहन की टक्कर से जख्मी लोक निर्माण विभाग के बेलदार ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घटना से नाराज बेलदार के घरवालों ने अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह मामला शांत कराया। कादीपुर गांव निवासी सुशील कुमार ने बताया कि उसके पिता राम प्रसाद (55) प्रांतीय खंड (पीडब्लूडी) में बेलदार के पद पर कार्यरत थे। रोजाना की तरह सोमवार को भी वह ड्यूटी कर साइकिल से वापस घर आ रहे थे। समदा के समीप किसी तेज रफ्तार वाहन ने राम प्रकाश को टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल राम प्रकाश को स्थानीय लोगों समदा रोड स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया। बेटे के मुताबिक चिकित्सकों ने ऑपरेशन की सलाह दी। ऑपरेशन करने के बाद राम प्रकाश की हालत बिगड़ गई। चिकित्सक कुछ कर पाते, इससे पहले मंगलवार सुबह राम प्रसाद ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घटना से नाराज परिजनों ने जमकर हंगामा किया। इसे लेकर अस्पताल के स्टाफ व मरीजों में अफरातफरी मच गई।

बलिया के शिक्षा विभाग में २३ साल से नौकरी कर रहा शिक्षक बर्खास्त

जांच मे फर्जीवाड़े के खुलासे के बाद गिरी शिक्षक पर गाज

(आधुनिक समाचार सेवा)

लखनऊ। उत्तर-प्रदेश के बलिया की रसड़ा क्षेत्र के जाम गांव निवासी ब्रजनाथ राम की नियुक्ति एक जुलाई 1999 को बेसिक शिक्षा परिषद में सहायक अध्यापक के पद पर हुई थी।शिक्षक ने जन्मतिथि में हेरफेर कर नौकरी पाई थी।आरोपी ब्रजनाथ के खिलाफ उन्हीं के गांव के एक व्यक्ति ने इस फर्जीवाड़े का शिकायत किया था। मिली जानकारी के अनुसार उत्तर-प्रदेश के बलिया जिले में जन्मतिथि में हेरफेर कर 23 साल से अधिक समय से स्कूल में नौकरी कर रहे शिक्षक को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बर्खास्त कर दिया है। उसने अलग-अलग शिक्षण संस्थानों से परीक्षा देकर अपनी जन्मतिथि में सात साल का हेरफेर किया था। उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने का निर्देश खंड शिक्षा अधिकारी को दिया गया है। बताया जाता है कि उत्तर- प्रदेश के बलिया बेसिक शिक्षा अधिकारी मनिराम सिंह की ओर से मंगलवार की शाम जारी सेवा समाप्ति आदेश के अनुसार रसड़ा क्षेत्र के जाम गांव निवासी ब्रजनाथ राम की नियुक्ति एक जुलाई 1999 को बेसिक शिक्षा परिषद में सहायक अध्यापक के पद पर हुई थी। वह पिछले कुछ वर्षों से जूनियर हाईस्कूल महाराजपुर रसड़ा में सहायक अध्यापक के पद पर तैनात थे। डीएम से हुई थी शिकायत ब्रजनाथ के खिलाफ उन्हीं के गांव के श्रीराम नारायण गोंड पिछले करीब एक साल से डीएम व बीएसए से शिकायत कर रहे थे। उन्होंने अंतिम

शिकायत सात नवंबर 2022 को जिलाधिकारी से की थी। आरोप लगाया था कि ब्रजनाथ राम की दो तरह की जन्मतिथि है। पहली एक दिसंबर 1953 और दूसरी एक दिसंबर 1960। इस संबंध में उन्होंने सूचना के अधिकार के तहत विभिन्न शिक्षण संस्थाओं द्वारा उपलब्ध कराए गए पुख्ता प्रमाण भी दिए थे। इस मामले मे बलिया के बीएसए ने शिकायतों की जांच रसड़ा के खंड शिक्षा अधिकारी के माध्यम से विभिन्न स्तर पर कराई। तदुपरांत जांच में यह स्पष्ट हुआ कि मानव संपदा पर अपलोड अभिलेखों व सेवा पुस्तिका में उनकी जन्मतिथि एक दिसंबर 1960 है,जबकि उपलब्ध साक्ष्यों के अनुसार उन्होंने अमर शहीद भगत सिंह इंटर कॉलेज, रसड़ा से 1972 में हाईस्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण की है। इसमें उनकी जन्मतिथि एक दिसंबर 1953 है। बाद में राधामोहन संस्कृत महाविद्यालय बलिया के बैरिया से पूर्व मध्यमा की परीक्षा 1975 में पास की है। यहां उनकी जन्मतिथि एक दिसंबर 1960 हो गई। इस प्रकार अलग-अलग विद्यालयों से जन्मतिथि में परिवर्तन करके उनके द्वारा परीक्षा दी गई है। बलिया बीएसए के अनुसार उत्तर प्रदेश सेवा में भर्ती नियमावली 1974 में उल्लिखित है कि सरकारी सेवक की जन्मतिथि हाईस्कूल या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण पत्र में अभिलिखित ही मानी जाएगी। ब्रजनाथ राम ने हाईस्कूल की परीक्षा अमर शहीद भगत सिंह इंटर कॉलेज, रसड़ा से 1972 में उत्तीर्ण कर ली थी। इस तथ्य को छिपाकर 1975 में राधामोहन संस्कृत महाविद्यालय बैरिया से जन्मतिथि परिवर्तित करके पूर्व मध्यमा परीक्षा पास की। यदि दो विद्यालयों से एक ही परीक्षा अलग-अलग वर्षों में उत्तीर्ण करने को नजरअंदाज भी कर दिया जाए तो जन्मतिथि में हेराफेरी करके परिवर्तन किया जाना नियम विरुद्ध है।ऐसे में स्पष्ट है कि ब्रजनाथ राम तथ्यों को छिपाकर विभाग को धोखा देकर बीटीसी परीक्षा उत्तीर्ण करके गलत तरीके से सेवा में बने थे।शासन प्रशासन के इस कारवाई से शिक्षको मे हड़कंप मचा हुआ है।

वाराणसी में रामकलश यात्रा के साथ गूंज उठा जय सियाराम का नारा, अखंड भारत में रामराज्य की कामना

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। भगवान श्रीराम के प्राकट्योत्सव के अवसर पर श्रीराम ध्वजा एवं पवित्र रामकलश यात्रा सुभाष भवन से रामलीला मैदान तक निकाली गई। यात्रा में शामिल सभी लोगों को एक ही मकसद था कि अखंड भारत बने और इसमें रामराज्य की स्थापना हो भगवान श्रीराम के प्राकट्योत्सव के अवसर पर श्रीराम ध्वजा एवं पवित्र रामकलश यात्रा सुभाष भवन से रामलीला मैदान तक निकाली गई। सिर पर पवित्र रामकलश लेकर महिलाएं चलीं तो जय सियाराम का नारा गूंज उठा। वहीं, श्रीराम ध्वजा लेकर चलने वाले युवाओं ने जोश में नारा लगाया। यात्रा में शामिल सभी लोगों को एक ही मकसद था कि अखंड भारत बने और इसमें रामराज्य की स्थापना हो। पातालपुरी मठ के महंत बालक दास ने श्रीराम ध्वजा यात्रा का नेतृत्व किया। रामपंथ के पंथाचार्य डा. राजीव ने कहा कि अगर पाकिस्तान और अन्य मुस्लिम देश भगवान श्रीराम की ध्वजा फहराएं तो उनके देश में भी समृद्धि आ जाएगी। आज राम नाम की ही वजह से भारत शांति के मामले में दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। महंत बालक दास ने कहा कि सनातनी हो या गैर सनातनी सबको अपने घर में खुशहाली के लिए राम ध्वजा को अपने घर पर लगाना चाहिए। यात्रा में डॉ अर्चना भारतवंशी, डॉ. मृदुला जायसवाल, नजमा परवीन, नाजनीन अंसारी आदि लोगों ने भाग लिया।

तीन भाइयों ने 2.25 करोड़ के गहने उधार लिए

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। वाराणसी के रेशम कटरा के एक आभूषण कारोबारी ने अर्दली बाजार स्थित चंद्रा आभूषण के प्रोपराइटर और सगे भाई कृष्णा सिंह, आकाश सिंह और सागर सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। वाराणसी के रेशम कटरा के एक आभूषण कारोबारी से तीन भाइयों ने सवा दो करोड़ रुपये के गहने उधार लिए। पैसे देने की बारी आई तो तीनों भाइयों ने कारोबारी को चेक दिया, जो बैंक में बाउंस हो गया। कारोबारी ने फिर पैसा मांगा तो उसे मारपीट कर असलहा सटाकर जन से मारने की धमकी दी गई। प्रकरण को लेकर कारोबारी की तहरीर के आधार पर कैंट थाने में अर्दली बाजार स्थित चंद्रा आभूषण के प्रोपराइटर और सगे भाई कृष्णा सिंह, आकाश सिंह और सागर सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। रेशमकटरा निवासी आभूषण कारोबारी विकास सेठ के अनुसार, अर्दली बाजार स्थित चंद्रा आभूषण के प्रोपराइटर से उनका व्यावसायिक संबंध है। विगत कई वर्षों से चंद्रा आभूषण के प्रोपराइटर कृष्णा सिंह, आकाश सिंह और सागर सिंह से सोने-चांदी के लाखों रुपये मूल्य के आभूषण का क्रय-विक्रय होता चला आ रहा है। एलटी कॉलेज परिसर में आरोपियों ने की मारपीट लाखों के माल का आदान-प्रदान उधारी व कच्चे बिल पर होता है। विकास ने बताया कि वह अब तक दो करोड़ 25 लाख रुपये के सोने के गहने उधार कृष्णा, आकाश और सागर को दे चुके हैं। पैसा मांगने पर उन्हें दो करोड़ रुपये का चेक दिया गया, लेकिन वह बाउंस हो गया ये भी पढ़ें: क्या आकांक्षा दुबे को मिलेगा इंसाफ मां ने आंचल फैलाकर सीएम योगी से की ऍंघ् जांच की मांग।

वाराणसी में मुस्लिम महिलाओं ने उतारी श्रीराम की आरती

(आधुनिक समाचार सेवा)

काशी। शिव नगरी काशी में गुरुवार को चैत्र नवरात्र की नवमी तिथि और श्रीरामनवमी की धूम है। कहीं पूजा-पाठ तो कहीं कुछ और आयोजन हो रहे हैं। ऐसा ही एक आयोजन हुआ वाराणसी के लमही स्थित सुभाष भवन में। यहां मुस्लिम महिलाओं ने कौमी एकता का संदेश दिया। मुस्लिम महिला फाउंडेशन और विशाल भारत संस्थान से जुड़ी मुस्लिम महिलाओं ने श्रीराम और माता जानकी की आरती उतारी। मुस्लिम महिला फाउंडेशन की नेशनल सदर नाजनीन अंसारी के नेतृत्व में जुटीं हिंदू और महिलाओं ने उर्दू में रचित श्रीराम प्रार्थना और श्रीराम आरती का पाठ किया। जिसमें लिखा था- अयोध्या है हमारे जियारत गाह का नाम, रहते हैं वहां मालिक-ए-कायनात श्री राम, जय श्रीराम, जय श्रीराम। आओ मिलकर हम सब करें उनको सलाम, तकलीफ और गरीबी, दूर करते श्रीराम, जय श्रीराम, जय श्रीराम। आरती में शामिल महिलाओं ने कहा कि धर्म बदलने से पूर्वज नहीं बदलतेसजावटी थाली में मिट्टी के दीपक से मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम की आरती की गई। जय-जय श्रीराम के नाम का उद्घोष हुआ और राम नाम के दीपक से हिंसा और नफरत के अंधकार को दूर करने का संदेश दुनिया को भेजा गया। मुस्लिम महिलाओं ने बड़ी शिद्दत के साथ भगवान राम के जन्मोत्सव पर सोहर गाए और सबको बधाई दी। मुस्लिम महिलाओं ने भगवान श्रीराम और जगत माता जानकी से मन्नत मांगी कि दुनियाभर में मुस्लिम बेटियों को जीने का अधिकार मिले। हलाला जैसी कुरीति खत्म हो। मुस्लिम महिलाओं ने कामना किया कि आदि विश्वेश्वर मंदिर परिसर औरंगजेब के कलंक से मुक्त हो और स्वयंभू ज्योतिर्लिंग पर शीघ्र पूजा अर्चना शुरू हो। समस्त भारत भूखंड के लोग अपने पूर्वजों, परंपराओं, मातृभूमि और पूर्वजों के भगवान से जुड़कर अपने जड़ों से जुड़ें। नाजनीन अंसारी ने कहा कि धर्म बदलने से न पूर्वज बदल सकते हैं और न मातृभूमि और न ही पूर्वजों के भगवान राम। जब तक हमारे पूर्वज भगवान राम के नाम से जुड़े थे तब तक दुनिया में सम्मान की दृष्टि से देखा जाता था। अब लोग शक की दृष्टि से देखते हैं। हम जड़ों से जुड़े रहेंगे तो हमारा सम्मान बना रहेगा। उन्होंने कहा कि राम के नाम से दुख-दरिद्रता दूर होगी। रामराज्य से विश्व शांति की ओर जाएगा। अरब देशों में भगवान राम का मंदिर बने तो वहां के लोगों की इज्जत भी बढ़ेगी और धर्म के नाम पर हो रही हिंसा खत्म होगी। मुस्लिम महिला फाउंडेशन की जिलाध्यक्ष रजिया सुल्ताना ने कहा कि हम सभी पूर्वजों से एक हैं। हमारे संस्कार में नफरत नहीं मोहब्बत डाला गया है। हम रोजा भी हैं और रामजी की आरती भी कर रहे हैं। इससे मोहब्बत फैलेगा और कोई भी धर्म खतरे में नहीं आएगा।

वाराणसी पहूचे पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। काशी विश्वनाथ और विंध्याचल में दर्शन पूजन करेंगेपूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद दो दिवसीय दौरे पर आज वाराणसी आएंगे। एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद बाद पूर्व राष्ट्रपति सपरिवार मिर्जापुर जाएंगे और विंध्याचल मंदिर में दर्शन पूजन करने के बाद वाराणसी में रात्रि विश्राम करेंगे। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद दो दिवसीय दौरे पर आज वाराणसी आएंगे। गुरुवार दोपहर वे वाराणसी पहुंचेगे और यहां भारत माता मंदिर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद पूर्व राष्ट्रपति सपरिवार मिर्जापुर जाएंगे और विंध्याचल मंदिर में दर्शन पूजन करने के बाद काशी में रात्रि विश्राम करेंगे अगले दिन शुक्रवार को बीएचयू के अंतर विश्वविद्यालय अध्यापक शिक्षा केंद्र में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। दोपहर बाद वे गंतव्य को रवाना हो जाएंगे। बीते साल जून में रामनाथ कोविंद बतौर राष्ट्रपति वाराणसी के दौरे पर आए थे। अंतर विश्वविद्यालय अध्यापक शिक्षा केंद्र में दो दिवसीय संगोष्ठी 31 मार्च से एक अप्रैल तक होगी। मुख्य अतिथि पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद होंगे। शैक्षिक जगत के सामने उच्च शिक्षा में उभरती चुनौतियां विषय पर विद्वान मंथन करेंगे। आईयूसीटीई के निदेशक प्रो. प्रेम नारायण सिंह ने बताया कि संगोष्ठी में 8 राज्यों के 100 प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। संगोष्ठी में पांच थीम पर चर्चाएं होंगी। अध्यक्षता प्रो. जेएस राजपूत और समापन सत्र के मुख्य अतिथि बीएचयू के पूर्व कुलपति प्रो. धीरेंद्र पाल सिंह, विशिष्ट अतिथि आईआईटी पटना के निदेशक प्रो. टीएन सिंह होंगे।

काशी विद्यापीठ में पुरातन छात्र सम्मेलनः विधायक शलभ मणि बोले

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। काशी विद्यापीठ के महामना मदन मोहन मालवीय पत्रकारिता संस्थान में पुरातन छात्र समागम को भाजपा विधायक शलभ मणि त्रिपाठी ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज पत्रकारिता में हमारे सामने अनंत आकाश की संभावनाएं हैं। पत्रकारिता महज सूचना का उपकरण नहीं है। यह हमारी जरूरतों को समाज के सामने प्रस्तुत करने का सशक्त माध्यम है। पत्रकारिता और राष्ट्रीयता को अलग करना असंभव है। यह कहना है काशी विद्यापीठ के कुलपति प्रो. आनंद त्यागी का।कुलपति बुधवार को महामना मदन मोहन मालवीय पत्रकारिता संस्थान के पुरातन छात्र समागम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता की बदौलत हम छोटे से कमरे में बैठकर पूरे विश्व का केंद्र बन सकते हैं, लेकिन हमें अपडेट रहना पड़ेगा।पत्रकारिता के पुरातन छात्र व देवरिया सदर से भाजपा विधायक शलभ मणि त्रिपाठी ने कहा कि आज पत्रकारिता में हमारे सामने अनंत आकाश की संभावनाएं हैं। इसलिए अपने सपनों को साकार करने के लिए संकल्पित रहना है।संस्थान के पूर्व निदेशक प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि अगर कौशल है तो पत्रकारिता का छात्र कभी बेरोजगार नहीं रह सकता है। निदेशक प्रो. अनुराग कुमार, डॉ. नागेंद्र कुमार सिंह, प्रो. अनीता सिंह, डॉ. एके लारी, डॉ. दयानंद, डॉ. वशिष्ठ मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान ही पुरातन छात्र समिति का गठन हुआ। इसका अध्यक्ष डॉ. अंकुर को बनाया गया है। वहीं, उपाध्यक्ष डॉ. जिनेश कुमार और मोहम्मद जावेद, सचिव डॉ. रवींद्र पाठक और अभिलेख प्रबंधक डॉ. अर्चना सिंह को बनाया गया है।

100% Placement
सीधे प्रवेश
15% Fee Concession
नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)
(पहले आओ पहले पाओ)
❖ प्रशिक्षण में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को रोजगार पाने का पूर्ण अवसर
❖ हाइस्कूल में 60% से उपर अंक लाने वाले छात्रों को प्रशिक्षण शुल्क में 15% प्रतिशत की छूट दी जायेगी।
➢ कम्प्युटर आपरेटर (कोपा)
➢ डेटा इंट्री आपरेटर
➢ फायर सेफ्टी
➢ कम्प्युटर टीचर ट्रेनिंग
➢ इलेक्ट्रीशियन
➢ सीएनसी प्रोग्रामिगं
➢ इलेक्टिक मैकैनिक
फिटर
वेल्डर
सीसीए
रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
सिक्योरिटी सर्विस
बेसिक कम्प्युटर
कम्प्युटर हाडवेयर
Apply Online: www.nainiti.com
Mail us at – info@nainiti.com
प्रवेश हेल्पलाइन नं0
8081180306 , 9415608710 , 8103021873
⇨ इण्डियन कॉफी हाउस के सामने तुलसीयानी प्लाजा , तीसरी मंजिल , सिविल लाइन , प्रयागराज।

श्रीराम जन्मोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत दिव्य कलश शोभा यात्रा आज

(आधुनिक समाचार सेवा)

मिर्जापुर। मीरजापुर 29 मार्च 2023- अयोध्या शोध संस्थान संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित श्रीराम जन्मोत्सव प्रकट भए कृपाला कार्यक्रम अंतर्गत नगर के बाबा बूढ़ेनाथ मंदिर में भव्य श्री राम जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार 30 मार्च 2023 को किया जा रहा है। जिसमें महिलाओं की टोली कलश यात्रा निकालकर गंगाजल लेकर बाबा बूढ़ेनाथ का एवं भजन कीर्तन, आरती, पारंपरिक सोहर जन्म संबंधित अन्य संस्कार गीत इत्यादि कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिसकी तैयारी जोर शोर से की जा रही है। उपरोक्त सभी कार्यक्रमों को सकुशल संपन्न कराने के लिए अयोध्या शोध संस्थान संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा सुविख्यात लोकगीत गायिका उषा गुप्ता को समन्वय नियुक्त किया गया है। उन्होंने जानकारी देते हुए लोगों से श्री राम जन्मोत्सव दीपक कलश

जलाभिषेक करेंगी। इस मौके पर दिव्य कलश शोभा यात्रा, झांकी तथा श्री रामचरितमानस पाठ, बालकांड यात्रा, शोभा यात्रा, झांकी कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा संख्या में भाग लिए जाने की अपील की गई है।

दीवार गिर जाने से भाई-बहन उसकी चपेट में आ गए

(आधुनिक समाचार सेवा)

मिर्जापुर। मिर्जापुर शहर कोतवाली क्षेत्र के तरकापुर पोखरी मोहल्ले में सोमवार की शाम छत पर खेलते समय दीवार गिर जाने से भाई-बहन उसकी चपेट में आ गए। दोनों को परिजनों ने अस्पताल पहुंचाया। जहां बहन की मौत हो गई। घायल भाई का इलाज चल रहा है। मौत पर परिजन बिलखते रहे। क्षेत्र निवासी संतोष बिंद बढ़ई का कार्य करता है। उसे दो पुत्र और एक पुत्री है। तीनों बच्चे कजरहवा पोखरा स्थित एक विद्यालय में पढ़ते हैं। बड़ा पुत्र दिनेश्वर उर्फ मोनू (10) है। उसके बाद पुत्री श्रद्धा बिंद (8) और सुमित (6) है। श्रद्धा कक्षा दो की छात्रा थी। श्रद्धा अपने छोटे भाई सुमित के साथ छत पर खेल रही थी। छत पर एक पुरानी दीवार है। खेलते समय दीवार अचानक भरभरा कर गिर गई। जिसकी चपेट में दोनों भाई-बहन आ गए। दीवार गिरने की आवाज और बच्चों की चीख सुनकर परिजन छत पर पहुंचे और उन्हें उपचार के लिए मंडलीय अस्पताल ले गए। जहां डाक्टर ने बालिका को मृत घोषित कर दिया।

कोविड डेडिकेटेड अस्पताल तैयार करने में जुट गया है

(आधुनिक समाचार सेवा)

मिर्जापुर। मिर्जापुर इंफ्लूएंजा वायरस के साथ कोविड संक्रमण के केस लगातार बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग जांच का दायरा बढ़ाने के साथ कोविड डेडिकेटेड अस्पताल तैयार करने में जुट गया है। सोमवार को जांच के बाद जिले में भी कोविड का एक संक्रमित मिला है। जिसे होम आईसोलेशन में रखा गया है। उधर, कोविड टीकाकरण अभियान बंद चल रहा है। जिले में कोविड संक्रमण से 12371 मरीज मिले थे। इसमें 12241 मरीज स्वस्थ हुए। इसमें 130 मरीजों को कोविड से मौत हो गई।

मोबाईल वेटेरिनरी यूनिट (वैन) के सदस्य विधान परिषद ने हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

(आधुनिक समाचार सेवा)

मीरजापुर। को ई0एस0वी0एच0डी0 योजनान्तर्गत कलेक्ट्रेट परिसर में मोबाईल वेटेरिनरी यूनिट (वैन) का सदस्यविधान परिषद श्यामनारायण सिंह उर्फ विनीत सिंह, जिला पंचायत समस्त जानकारियों जनप्रतिनिधियों एवं उपस्थित जनता को दी गयी। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी मीरजापुर ने जिला पंचायत अध्यक्ष जी एवं सांसद अरूण सिंह जी के प्रतिनिधि धनन्जय पण्डेय का बुके

अध्यक्ष राजू कनौजिया जी एवं सांसद अरुण सिंह के प्रतिनिधि धनन्जय पण्डेय तथा मुख्य विकास अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस एवं मुख्य पशुचिकित्साधिकारी की गरिमामयी उपस्थिति में हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इससे पूर्व एन0आई0सी0 में माननीय सदस्यों द्वारा मा0 मुख्यमंत्री का सम्बोधन श्रवण किया गया एवं तदोपरान्त सभी माननीय जनप्रतिनिधियों का बुके देकर स्वागत किया गया। मुख्य विकास अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस द्वारा सबसे पहले श्यामनारायण सिंह जी विधान परिषद सदस्य, उत्तर प्रदेश का बुके देकर स्वागत किया गया एवं इस योजना की देकर स्वागत किया गया। इन माननीयों ने सर्वप्रथम डण्टण्न्ण् का निरीक्षण किया। जनपद में प्राप्त 02 मोबाईल वैन का उद्घाटन करते हुए मूक पशुओं की सेवा का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर जनपद के सभी पशुचिकित्साधिकारियों, उपमुख्य पशुचिकित्साधिकारी एवं क्षेत्रीय जनता की उपस्थिति में यह कार्यक्रम संचालित हुआ। फ्लैग आफ कार्यक्रम का समापन मुख्य पशुचिकित्साधिकारी डा0 राजेश कुमार सिंह के आभार प्रकटीकरण के साथ सम्पन्न हुआ। जनपद में 06 डण्टण्न्ण् और अतिशीघ्र आज ही प्राप्त हो जायेगा

ग्रामीणों में पनप रहा आक्रोश बड़ी आंदोलन की चेतावनी

(आधुनिक समाचार सेवा)

दुद्धी/ सोनभद्र। विंढमगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत चल रहे कोरगी बालू साइट से रातों दिन बालू लदे ट्रकों के आवाजाही से हिराचक के भुइयां बस्ती के ग्रामीणों का जीना हराम हो गया है जिसको लेकर ग्रामीणों में आक्रोश पनप रहा है ग्रामीणों ने जिला प्रशासन को चेताया है कि अगर उनकी नही सुनी गई तो बड़ा आंदोलन का रुख अख्तियार करेंगे जिसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी।

आक्रोशित ग्रामीणों में मार्ग पर बोल्डर रख ,वाहनों का परिचालन रोका

(आधुनिक समाचार सेवा)

दुद्धी/ सोनभद्र। टीपर से चपेट मे आने से हिराचक के ग्रामीण साधु भुइयां घायल होने के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने घनी बस्ती से नदी के घाट जाने वाले मार्ग पर बड़े बड़े बोल्डर रख कर वाहनों का परिचालन रोक दिया जिससे बालू घाट जाने वाले मार्ग की रफ्तनी थम गई ग्रामीण लालबाबू , रामकेश ,जोखन ,अवधेश , चंपा देवी , सुनीता देवी का मांग है कि जिस रास्ता से पहले बालू लदे ट्रकों की आवाजाही थी उसी रास्ता से बालू लदे ट्रकों की आवाजाही हो घनी बस्ती से ट्रकों को नही चलने दिया जाएगा। खबर लिखे जाने तक बस्ती से होकर नदी जाने वाले मार्ग पर बोल्डर रखे हुए थे।

झारखण्ड पुलिस ने दहेज उत्पीड़न आरोपी के घर पर चस्पा किया नोटिस

(आधुनिक समाचार सेवा)

दुद्धी/सोनभद्र। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के विडर गांव में सोमवार को झारखंड के हुसैनाबाद पलामू के पुलिस ने दहेज उत्पीड़न के आरोपी के घर नोटिस चस्पा किया। क्षेत्र के विडर गांव निवासी शशि प्रकाश पुत्र श्रवण चौधरी के विरुद्ध झारखंड के हुसैनाबाद महिला थाना 6 सितंबर 22 को धारा 498, 34, 3/4 दहेज अधिनियम के अभियुक्त के मामले दर्ज कर विधिक कार्यवाही में जुट गई। इस सबन्ध में हुसैनाबाद थाना क्षेत्र स0अ0नि0नन्द कुमार पासवान ने बताया कि उक्त अभियुक्त सशरीर माननीय न्यायालय डाल्टनगंज में 6 मई 2023 तक अगर हाजिर नही होते है तो माननीय न्ययालय के आदेश पर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी। मौके पर दुद्धी थाना पुलिस एवं ग्रामीणों के समक्ष घर के अन्य लोगो के सामने इश्तेहार चिपकाया गया।

नई डेंटल चेयर मशीन इंस्टाल होने के बाद प्राचार्य डा. आरबी कमल ने शुभारंभ किया

(आधुनिक समाचार सेवा)

मीरजापुर। मिर्जापुर मां विंध्यवासिनी स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय (मेडिकल कालेज) के अधीन मंडलीय अस्पताल के आपरेशन थियेटर में एनेस्थिसिया वर्क स्टेशन मशीन और डेंटल विभाग में नई डेंटल चेयर मशीन इंस्टाल होने के बाद प्राचार्य डा. आरबी कमल ने शुभारंभ किया। आपरेशन थियेटर में दो एनेस्थिसिया वर्क स्टेशन मशीन आई है। इससे आपरेशन करने में सुविधा होगी। साथ ही डेंटल की नई चेयर लगने से दांत के मरीजों को भी बेहतर सुविधा मिलेगी। मेडिकल कालेज के प्राचार्य डा. आरबी कमल ने बताया कि आपरेशन थियेटर में दो एनेस्थिसिया वर्क स्टेशन मशीन को लगाया गया है। जिसकी कीमत 40 लाख रुपये है। इस मशीन को लखनऊ से आए विशेषज्ञों ने सोमवार को आपरेशन थियेटर में इंस्टाल कर दिया है।

कोरगी बालू साइट पर बालू लेने जा रहे टीपर ने वृद्ध को कुचला ,गंभीर

(आधुनिक समाचार सेवा)

दुद्धी/ सोनभद्र। कोरगी बालू साइट पर बालू लेने जा रहे एक टीपर ने सड़क पार कर रहे एक वृद्ध के दाहिने पैर को कुचलते हुए पार हो गया जिस पर वृद्ध अचेत होकर गिर पड़ा और दर्द से कराहने लगा ,देखते ही देखते ग्रामीणों की भीड़ उमड़ गयी उधर आक्रोशित ग्रामीणों का उग्र रूप देखते ही टीपर चालक वाहन छोड़ वहां से फरार हो गया ,मौके पर पहुँचे प्रधान ने एम्बुलेंस के जरिये घायल को दुद्धी सीएचसी भिजवाया जहां से पीड़ित की स्थिति गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने बेहतर उपचार हेतु जिला अस्पताल भेज दिया। ग्राम प्रधान पोलवा राकेश गुप्ता ने बताया कि 55 वर्षीय साधु भुइयां पुत्र स्वर्गीय जग्गू भुइयां दोपहर लगभग तीन बजे गांव में घूम कर सड़क पार करते हुए अपने घर जा रहे थे कि उसी दरमियान कोरगी बालू साइट पर बालू लोड करने जा रही तेज रफ्तार टीपर ने बुजुर्ग को धक्का मारते हुए कुचल दिया ,टीपर का पहिया बुजुर्ग के दाहिने पैर पर चढ़ गया जिससे साधु का पैर फट गया और खून बहने लगा ,धक्के से गिरे साधु दर्द से छटपटाने लगे और अचेत हो गए जिन्हें उपचार हेतु दुद्धी सीएचसी भिजवाया है ।ग्राम प्रधान ने कहा घनी आबादी युक्त ग्रामीण मार्ग से बालू लदे ट्रक व टीपरों की आवाजाही होती है जिससे हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है और भय मंडराता रहता है ,इस मुद्दे पर उन्होंने दर्जनों बार तहसील दिवस में शिकायत की लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई नतीजन इसका खामियाजा आज एक बेसहारा बुजुर्ग को घायल होकर चुकाना पड़ रहा है पीड़ित साधु भुइयां का कोई नही है और उसे बेहतर उपचार नही मिला उनके साथ कुछ भी हो सकता है ।

विंध्याचल धाम में जुटा आस्था का सैलाब तस्वीरों में देखिए श्रद्धालुओं ने कैसे किया दर्शन

(आधुनिक समाचार सेवा)

विंध्याचल। चैत्र नवरात्र की नवमी तिथि के दिन भक्त मां विंध्यवासिनी के सिद्धिदात्री स्वरूप के दर्शन कर रहे हैं। मां विंध्यवासिनी का यह स्वरूप सभी सिद्धियों को प्रदान करने वाला होता है। मां विंध्यवासिनी के मंदिर में मंगला आरती के बाद से ही अटूट कतार लगी है। विश्व प्रसिद्ध मां विंध्यवासिनी धाम में चैत्र नवरात्र की नवमी तिथि पर आस्था का सैलाब उमड़ा है। श्रद्धालुओं ने सिद्धिदात्री मां दुर्गा स्वरूप में मां विंध्यवासिनी का दर्शन पूजन किया। मंगला आरती के बाद मंदिर का कपाट खुलते ही मां विंध्यवासिनी की एक झलक पाने के लिए भक्तों में होड़ मची रही। मंदिर की ओर जानेवाली गलियों में दर्शनार्थी लाइन लगाकर दर्शन करने लगे। मां की एक झलक पाने के लिए लोग घंटों का इंतजार कर रहे हैं। जय माता दी के नारों से विंध्याचल का कोना-कोना गुंजायमान है। मंदिर के आस पास और सड़कों पर सुरक्षा का कड़ा पहरा है। गंगा स्नान के बाद श्रद्धालु हाथों में माता का प्रसाद, नारियल व चुनरी लिए मंदिर की ओर बढ़ते जा रहे हैं। भारी भीड़ के बीच कोई गर्भगृह तो कोई झांकी से ही मां के भव्य स्वरूप का दर्शन कर रहा है। दर्शन-पूजन के साथ ही न्यू वीआईपी, पुरानी वीआईपी मार्ग के अलावा पक्काघाट मार्ग से मंदिर की ओर पहुंच रहे श्रद्धालुओं के लिए प्रशासन की ओर से मुकम्मल व्यवस्था की गई है। मां विंध्यवासिनी के दर्शन-पूजन के पश्चात त्रिकोण मार्ग पर स्थित मां काली व अष्टभुजा देवी के मंदिर में भी लंबी कतार लगी है। तीनों देवियों के दर्शन के पश्चात हवन कुंड में आहुति डाली। सुबह से ही तीनों प्रमुख मंदिरों में माता के जयकारे व घंट घड़ियाल गूंज रहे हैं। नवमी तिथि के दिन भक्त मां विंध्यवासिनी के सिद्धिदात्री स्वरूप के दर्शन कर रहे हैं। मां विंध्यवासिनी का यह स्वरूप सभी सिद्धियों को प्रदान करने वाला होता है। विंध्यधाम परिसर में विराजमान सिद्धिविनायक सहित मां काली, मां दुर्गा, मां सरस्वती, मां शीतला, माता लक्ष्मी, पंचमुखी महादेव, दक्षिणमुखी हनुमान, राधा कृष्ण, डाक भैरव व बटुक भैरव सहित कई अन्य देवी देवताओं के मंदिरों में जाकर श्रद्धालु बड़े श्रद्धा भाव से शीश नवाकर दर्शन-पूजन कर रहे हैं। विंध्याचल दरबार के साथ ही मां अष्टभुजी देवी व महाकाली मंदिर सहित कई अन्य मंदिरों की फूल, पत्तियों और रंग-बिरंगे झालरों से की गई सजावट अलौकिक छटा बिखेर रही है।विंध्याचल में बुधवार रात से ही भारी संख्या में चार पहिया वाहनों के आने का सिलसिला शुरू हो गया। धाम के आसपास सभी होटल, धर्मशाला, लॉज आदि बुक हो गए। वाहन स्टैंड भी भर गए। सुबह मंगला आरती के पश्चात कपाट खुलते ही भक्त नारियल, चुनरी, फूल माला, प्रसाद आदि पूजन सामग्री के साथ कतार में लगकर दर्शन किए। जैसे जैसे दिन चढ़ता गया वैसे ही भीड़ उमड़ती रही।

डीएवी पब्लिक स्कूल खडिया मे एनुअल डे कार्यक्रम सम्पन्न हुआ

बच्चों के विकास में मां की अग्रणी भूमिका- संध्या एल पांडे

(आधुनिक समाचार सेवा)

शक्तिनगर /सोनभद्र। डीएवी पब्लिक स्कूल खड़िया में आज एनुअल रिपोर्टिंग डे के अवसर पर एस ओ (इलेक्ट्रिक एंड मेंटेनेंस) श्री ए पी सिंह, डिप्टी मैनेजर पर्सनल हेड क्वार्टर सिंगरौली श्री कौशल कुमार जी के साथ सामूहिक दीप

वार्षिक परीक्षा परिणाम के साथ-साथ विद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों में प्रतिभाग करने वाले छात्रों को भी पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जी एम खड़िया परियोजना श्री राजीव कुमार जी ने एस ओ (पी) श्री ए के टोपो, ए एफ एम श्री जुगल किशोर, एस ओ (सिविल) श्री जे एस पी सिंह, प्रज्वलित कर संपन्न किया । तदुपरांत विद्यालय के बच्चों ने अतिथि देवो भव की परंपरा का पालन करते हुए (स्वागत है श्रीमान आपका) गीत के माध्यम से मुख्य अतिथि सहित सभी का स्वागत किया तथा छात्राओं ने बंगाली नृत्य के माध्यम से मां सरस्वती की सुंदर वंदना प्रस्तुत की । प्राचार्या श्रीमती संध्या एल पांडे जी ने अभिभावकों सहित सभी का हार्दिक अभिनंदन करते हुए बधाई दी तथा बताया कि बच्चों के विकास में प्रथम भूमिका मां की होती है, प्रत्येक बच्चा अपनी पहचान है। उसे पठन-पाठन के साथ-साथ पाठ्य सहगामी क्रियाओं में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। उन्होंने बताया कि नई शिक्षा नीति बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखकर बनाई गई है। पठन-पाठन में हम उसके नियमों को अमल में रखकर बच्चों के विकास में पूर्ण रूपेण प्रयत्नशील हैं । नर्सरी से लेकर कक्षा दो तक के छात्र- छात्राओं को विभिन्न मानकों के आधार पर उन्हें मुख्य अतिथि महोदय द्वारा मोमेंटो एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए । जिसमें मेमोरी, लीडरशिप, बटरफिंगर ,स्टार बॉय ,स्टार गर्ल एवं सुपर साइंटिस्ट जैसे मानक रखे गए ।कक्षा तृतीय से लेकर कक्षा 9 तथा 11वीं तक के छात्रों को कक्षावार उनके एकेडमिक रैंक के आधार पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान अर्जित करने वाले छात्रों को उनके अभिभावकों के साथ मुख्य अतिथि महोदय द्वारा प्रमाण पत्र एवं मोमेंटो प्रदान किए गए तथा साथ ही साथ कक्षा तृतीय से लेकर पंचम छठवीं से लेकर आठवीं तथा नर्सरी से लेकर 12वीं तक के स्पोर्ट्स स्टार एवं कल्चरल स्टार छात्रों को भी मुख्य अतिथि महोदय द्वारा पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया तथा कक्षा में सत्र के दौरान शत प्रतिशत उपस्थित रहने वाले छात्रों की सराहना करते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम समापन पर मुख्य अतिथि महोदय ने अपने संदेश में सभी छात्रों के उपलब्धियों की सराहना करते हुए सभी को पठन पाठन एवं पाठ्य सहगामी क्रियाओं में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने तथा प्रतिभाग करने का संदेश दिया, साथ ही साथ सभी के उज्जवल एवं मंगलमय भविष्य की कामना भी की। पुरस्कृत छात्र -छात्राएं और उनके अभिभावकों में हर्ष व्याप्त है ।

31 मार्च से शुरू होगा आईपीएल का धमाल धोनी और हार्दिक के बीच पहला मुकाबला

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 16वें सीजन का शेड्यूल शुक्रवार (17 फरवरी) को जारी हो गया। इस बार टूर्नामेंट में कुल 74 मैच खेले जाएंगे। आईपीएल का फाइनल अहमदाबाद में खेला जाएगा। इस बार 10 टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। पिछली बार गुजरात टाइटंस ने फाइनल में राजस्थान रॉयल्स को हराकर खिताब जीता था। वह पहली बार आईपीएल में खेला था। हार्दिक की कप्तानी में टीम ने पहले ही प्रयास में आईपीएल का टाइटल हासिल किया।गौरतलब हो कि आईपीएल 2023 की 10 टीमों को " और " ग्रुप में बांटा गया है। पहले ग्रुप में मुंबई इंडियन्स, कोलकाता नाइट राइडर्स, राजस्थान रॉयल्स, दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपरजायंट्स को रखा गया है। वहीं, दूसरे ग्रुप में चेन्नई सुपरकिंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद, रॉयल चैलेंजर बैंगलोर, पंजाब किंग्स और गुजरात टायटंस को शामिल किया गया है। पहला मैच 31 मार्च को चेन्नई और गुजरात

टायटंस के बीच खेला जाएगा।आईपीएल 2023 के मैच टीमों के घरेलू मैदान पर खेले जाएंगे। अहमदाबाद, मोहाली, लखनऊ, हैदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, कोलकाता, जयपुर, मुंबई, गुवाहाटी और धर्मशाला में मैचों का आयोजन किया जाएगा। ग्रुप की चार टीमें प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करेंगी। 18 मैच डबल हेडर मैच होगें। एक टीम 14 मैच खेलेगी, 7 अपने घर पर 7 विपक्षी टीम के घर पर रहेंगे। 10 टीमों के बीच लीग स्टेज के 70 मुकाबले होंगे। 4 मैच प्लेऑफ के होंग चेन्नई सुपरकिंग्स बनाम गुजरात टायटंस- 31 मार्च। पंजाब किंग्स बनाम कोलकाता नाइट राइड्स - 1 अप्रैल। लखनऊ सुपर जायंट्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स - 1 अप्रैल। सनराइजर्स हैदराबाद बनाम राजस्थान रॉयल्स - 2 अप्रैल।रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर बनाम मुंबई इंडियंस - 2 अप्रैल। गौरतलब हो कि आईपीएल 2019 के बाद पहली बार सभी मैच होमग्राउंड पर खेले जाएंगे। 2020 में कोरोनावायरस के कारण आईपीएल का आयोजन यूएई में किया गया। वहीं, 2021 में भारत के कुछ मैदानों पर मैच खेले गए, लेकिन महामारी बढ़ने के कारण उसे बीच में रोका गया था और दोबारा से यूएई में पूरा किया गया। 2022 में टूर्नामेंट पूरी तरह भारत में खेला गया था, लेकिन कुछ खास स्थानों पर। इनमें मुंबई-पुणे में लीग मैच और अहमदाबाद-कोलाकात में प्लेऑफ मैच हुए थे।

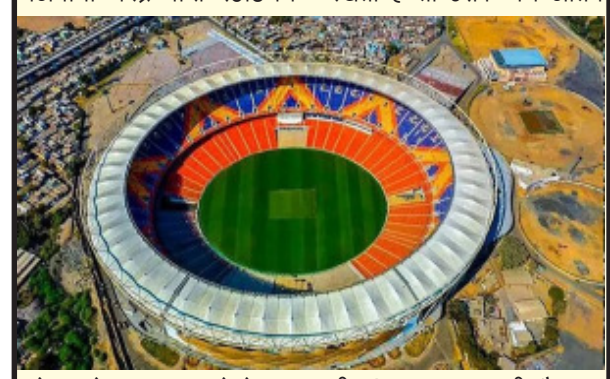

पहले मैच में बरसेंगे रन या लगेगी विकटों की झड़ी जानें कैसी है अहमदाबाद की पिच रिपोर्ट

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 16वें सीजन के शुरुआती मुकाबले में गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपर किंग्स का आमना-सामना होगा। इस मैच की मेजबानी नरेंद्र मोदी स्टेडियम करेगा, जो शाम 7:30 बजे से शुरू होगा। दोनों कप्तान 7 बजे टॉस के लिए मैदान पर पहुंचेंगे। पहले मैच में टॉस बहुत महत्वपूर्ण हो सकता है। क्योंकि यहां की पिच गेंदबाजों के लिए फायदेमंद है। गौरतलब हो कि हार्दिक ने आईपीएल के पिछले साल कप्तान के रूप में अपने पहले सीजन में ही गुजरात को चैंपियन बनाया था। ऐसे में टीम को अपने घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा मिलने की उम्मीद है। आइए जानते हैं कैसी है नरेंद्र मोदी स्टेडियम की पिच रिपोर्ट। पहले मैच गुरु और चेले के रूप में भी देखा जा रहा है। हार्दिक, महेद्र सिंह धोनी को अपना गुरु मानते हैं। नरेंद्र मोदी स्टेडियम की बड़ी बाउंड्री लाइन होने के कारण बल्लेबाजों को संघर्ष करना पड़ सकता है। सिंगल्स और डबल्स पर ज्यादा फोकस रहेगा। टॉस जीतकर कप्तान पहले गेंदबाजी करना पसंद कर सकते हैं। अगर पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम 180 रन का लक्ष्य रखती है तो उसके मैच जीतने

की संभावना बढ़ जाती है। इस पिच पर दूसरी पारी में 160-170 का आसानी से पीछा किया जाता है।शुरुआत में यहां अधिक रन बनाने पर फोकस करना होगा, जबकि मिडिल आर्डर में सिंगल डबल पर फोकस करना होगा। मैदान पर घास है जिसके चलते मैच के दूसरी पारी में स्पिनर को मदद मिल सकती है। यहां हवाई फायर करने से बचना होगा। नरेंद्र मोदी स्टेडियम, जिसे मोटेरा स्टेडियम के नाम से भी जाना जाता है, अहमदाबाद में स्थित है। यह 1,10,000 दर्शकों की बैठने की क्षमता वाला दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम है। पिच में सूखी और सख्त सतह होती है, जिससे तेज गेंदबाजों के लिए स्विंग और बाउंस पैदा करना मुश्किल हो जाता है।

भारत में नहीं खेलेगा पाकिस्तान वर्ल्ड कप 2023 के अपने मुकाबले

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच बिगड़े राजनीतिक माहौल की मार क्रिकेट झेल रहा है। एशिया कप को लेकर पहले से ही दोनों देशों के बीच खींचतान जारी है और अब 50 ओवर के वर्ल्ड कप को लेकर भी जो खबर सामने आई है वो क्रिकेट फैन्स को मायूस कर देगी दरअसल, ईएसपीयन क्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान की टीम इस साल के आखिर में होने वाले वनडे विश्व कप 2023 के मुकाबले खेलने भारत नहीं आएगी। दोनों देशों के बीच होने वाले मैचों की मेजबानी भारत की जगह बांग्लादेश करेगा। सिर्फ इतना ही नहीं अगर भारत और पाकिस्तान की टीम टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने में सफल रहती हैं, तो खिताबी मुकाबला भी भारत में नहीं खेला जाएगा खबर के अनुसार आईसीसी इस प्लान पर अभी विचार कर रही है। अगर इस प्लान पर सहमति बनती है तो वर्ल्ड कप 2023 के साथ-साथ एशिया कप का भी आयोजन इसी तरह से किया जा सकता है। गौरतलब है कि बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने साफ कर दिया था कि भारतीय टीम एशिया कप 2023 में हिस्सा लेने के लिए पाकिस्तान नहीं जाएगी शाह का यह बयान पाकिस्तान

क्रिकेट बोर्ड को रास नहीं आया था और उन्होंने कहा था कि अगर टीम इंडिया एशिया कप खेलने पाकिस्तान नहीं आएगी, तो वह भी 50 ओवर के वर्ल्ड कप में पार्ट लेने भारत नहीं जाएंगे। बता दें कि पाकिस्तान को एशिया कप 2023 की मेजबानी करनी है, जिसका आयोजन वर्ल्ड कप से ठीक पहले किया जाना है। रिपोर्ट्स की मानें तो भारतीय टीम भी एशिया कप के अपने मुकाबले पाकिस्तान के बाहर खेल सकती है पाकिस्तान की टीम भारत आखिरी बार साल 2016 में टी-20 वर्ल्ड कप खेलने आई थी। जहां दोनों देशों के बीच ग्रुप स्टेज के मुकाबले में भिड़ंत भी हुई थी। भारत और पाकिस्तान के बीच आखिरी बार भिड़ंत पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप में हुई थी। जिसने व्यूवरशिप के सारे रिकॉर्ड्स तोड़ दिए थे। बेहद रोमांचक मुकाबले में टीम इंडिया ने विराट कोहली की यादगार पारी के दम पर पाकिस्तान को चार विकेट से धूल चटाई थी।

आइपीएल में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले पांच बल्लेबाज

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भारत में क्रिकेट का त्योहार कहे जाने वाले आईपीएल का महासंग्राम शुरू होने वाला है। दुनिया की सबसे मशहूर टी-20 लीगों में से एक आईपीएल में जमकर चौके-छक्कों की बरसात होती है। गेंदबाजों की जमकर धुनाई होती

है और रनों का अंबार लगता है।टूर्नामेंट में हर साल कई ऐसे बल्लेबाज निकलकर सामने आते हैं, जो अपने प्रदर्शन से वर्ल्ड क्रिकेट में नई पहचान हासिल करते हैं। इस पोस्ट में हम आज बात करेंगे उन पांच बल्लेबाजों की, जिनके नाम आईपीएल में सबसे ज्यादा बार गेंद को हवाई यात्रा पर भेजने का रिकॉर्ड दर्ज है। आईपीएल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के रिकॉर्ड के मामले में टॉप पर क्रिस गेल का नाम दर्ज है। गेल ने अपनी तूफानी बल्लेबाजी से शुरुआत से ही इस लीग में फैन्स का जमकर मनोरंजन किया है। गेल ने आईपीएल में खेले 142 मैचों में 357 छक्के जड़े हैं। कोई भी बल्लेबाज गेल के अलावा 300 से ज्यादा सिक्स नहीं लगा सका है।मिस्टर 360 के नाम से मशहूर एबी डिविलियर्स भारतीय फैन्स के बीच इस लीग में अपनी धमाकेदार बल्लेबाजी के लिए मशहूर हैं। डिविलियर्स आईपीएल में सबसे ज्यादा छक्के जमाने के मामले में गेल के बाद दूसरे नंबर पर काबिज हैं। एबी ने आईपीएल में खेले 184 मैचों में कुल 251 बार गेंद को हवाई यात्रा पर भेजा है।मुंबई इंडियंस को पांच बार चैंपियन बनाने का कारनामा कर चुके कप्तान रोहित शर्मा का बल्ला भी इस लीग में खूब बोलता है। रोहित का बल्ला जब बोलता है तो दुनिया का बड़े से बड़ा गेंदबाज उनके आगे पानी मांगता नजर आता है। हिटमैन के नाम से मशहूर से रोहित आईपीएल में अबतक खेले 227 मैचों में 240 छक्के लगा चुके हैं 4. एमएस धोनी चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान एमएस धोनी की गिनती इस लीग के सबसे खतरनाक बल्लेबाजों में की जाती है। माही पारी को संभालने के साथ-साथ मैच को फिनिश करने का भी हुनर बखूबी जानते हैं। यही वजह है कि आईपीएल में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने के मामले में धोनी इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर मौजूद हैं। सीएसके के कप्तान ने आईपीएल में खेले 234 मैचों में अबतक कुल 229 छक्के लगाए हैं।कीरोन पोलार्ड को इस फॉर्मेट के सबसे धाकड़ बल्लेबाज के तौर पर जाना जाता है। पोलार्ड अकेले दम पर कई मैचों में मुंबई इंडियंस को जीत भी दिला चुके हैं। पोलार्ड जब अपने रंग में होते हैं, तो उनको रोकना किसी भी गेंदबाज के लिए आसान नहीं होता है। कैरेबियाई बल्लेबाज ने आईपीएल में खेले 189 मैचों में 223 सिक्स जड़े हैं।

हो गया खुलासा, इन दो खिलाड़ियों को सबसे महान मानते हैं विराट कोहली एक को बताया अपना हीरो

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली की बल्लेबाजी का वर्ल्ड क्रिकेट दीवाना है। विराट अपने चरम पर होते हैं, तो दुनिया का बड़े से बड़ा गेंदबाज उनके आगे पानी मांगता नजर आता है। कोहली की बैटिंग की तो दुनिया कायल है, लेकिन भारतीय बल्लेबाज की नजर में 22 गज की पिच का शहंशाह कौन है यह हर कोई जानना चाहता है। विराट कोहली ने अपने फेवरेट अपने इंटरनेशनल करियर में खेले कुल 664 मैचों में 48.52 की औसत से 34,357 रन कूटे। क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले मास्टर ब्लास्टर के बल्ले से इस दौरान 100 सेंचुरी और 164 फिफ्टी निकली।टेस्ट और वनडे क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के ही नाम है। इसके साथ ही इंटरनेशनल क्रिकेट में सेंचुरी का शतक लगाने वाले सचिन इकलौते खिलाड़ी हैं। सचिन

दो बल्लेबाजों के नामों का खुलासा कर दिया है। कोहली ने बताया है कि उनकी नजर में इस खेल के दो सबसे महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर और विव रिचर्ड्स हैं। आरसीबी के एक वीडियो में बात करते हुए कोहली ने कहा, मैंने हमेशा ही दो नाम लिए हैं, सचिन तेंदुलकर और सर विव रिचर्ड्स क्रिकेट के दो सबसे महान खिलाड़ी हैं। भारत के पूर्व कप्तान ने आगे कहा, ठसचिन मेरे हीरो हैं। इन दोनों ने अपने दौर में बल्लेबाजी की तस्वीर को पूरी तरह से बदलकर रखा दिया। इसी वजह से मुझे लगता है कि यह दोनों सबसे महान बल्लेबाज हैं। सचिन तेंदुलकर ने के बाद इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर विराट कोहली का ही नाम दर्ज है, जिन्होंने अबतक 75 इंटरनेशनल शतक जमाए हैं।लाजवाब रहा विव रिचर्ड्स का करियर वहीं, विव रिचर्ड्स की गिनती दुनिया के सबसे विस्फोटक बल्लेबाज के तौर पर की जाती है। उन्होंने अपनी शानदार बल्लेबाजी के दम पर वेस्टइंडीज को एकतरफा अंदाज में 1975 और 1979 वर्ल्ड कप में चैंपियन बनाया था।सर रिचर्ड्स ने अपने 121 टेस्ट मैचों के करियर में 50 की औसत से 8, 540 रन ठोके। इस दौरान उनके बल्ले से 24 शतक और 45 अर्धशतक निकले।

राशिद के सिर सजा नंबर वन टी20आई गेंदबाज का ताज

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। पाकिस्तान के खिलाफ टी20घ् में बेहतरीन गेंदबाजी का फायदा राशिद खान को मिला है। बुधवार को जारी हुई ु में अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर गेंदबाज राशिद खान एक फिर पहले पायदान पर आ गए हैं। उन्होंने श्रीलंका के वानिन्दु हसरंगा को पीछे छोड़ा। गौलतलब हो कि राशिद खान 2018 में पहली नंबर एक गेंद बने थे। वह पिछले साल नवंबर तक नंबर-1 की पोजिंशन पर काबिज रहे। राशिद के अलावा उन्हीं के हमवतन गेंदबाज फजलहक फारूकी नंबर तीन पर हैं। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ पांच विकेट लिए थे। फारूकी को 12 पायदान का फायदा हुआ है। वहीं, मुजीब उर रहमान को दो स्थानों का फायदा हुआ है। भारत का कोई भी गेंदबाज टॉप टेन में जगह नहीं बना सका। अर्शदीप सिंह 14वें स्थान पर हैं। वहीं, भुवनेश्वर कुमार 20वें स्थान पर काबिज हैं। पाकिस्तान के कार्यवाहक कप्तान शादाब खान टी20घ् ऑलराउंडर रैंकिंग में आठ स्थान ऊपर चढ़कर चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। बल्लेबाजी रैंकिंग में सूर्यकुमार अभी टॉर पर बने हुए हैं। दूसरे नंबर पर पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान काबिज हैं।

आइपीएल के इतिहास में सबसे ज्यादा रन कूटने वाले 5 बल्लेबाज

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। आईपीएल यानी रोमांच का तड़का। चौके-छक्कों की बरसात और हर शॉट पर झूमते लाखों फैन्स। सांसें रोक देने वाले मुकाबले

से लेकर सुपर ओवर के रोमांच तक इंडियन प्रीमियर लीग (घ्ङ्क्ष् 2023) में सबकुछ देखने को मिलता है हालांकि, इस लीग में कुछ ऐसे बल्लेबाज रहे हैं, जिन्होंने निरंतरता के साथ गेंदबाजों की धुनाई की है और अपनी टीम के सबसे बड़े ट्रंप कार्ड साबित हुए हैं। ऐसे ही पांच बल्लेबाजों की आज बात करेंगे, जिनके नाम दर्ज है आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड। 1. विराट कोहली फॉर्मेट चाहे कोई भी हो, लीग चाहे कोई से भी हो, अगर विराट कोहली उसका हिस्सा हैं तो सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की लिस्ट में उनका नाम आपको जरूर शुमार मिलेगा। आईपीएल हमेशा से ही विराट का बेहद रास आता है। कोहली अकेले दम पर इस लीग में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को कई मैचों में यादगार जीत भी दिला चुके हैं। यही वजह है कि वह आईपीएल में सबसे ज्यादा रन कूटने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में टॉप पर है। कोहली ने इस लीग में खेले 223 मैचों में अबतक कुल 6,624 रन बनाए हैं। विराट आईपीएल में पांच शतक भी जमा चुके हैं।शिखर धवन की गिनती भले ही इस लीग के सबसे विस्फोटक बल्लेबाजों में ना की जाती हो, लेकिन जब निरंतरता के साथ रन बनाने की बात आती है तो गब्बर का नाम लिस्ट में यकीनन शुमार होता है। धवन आईपीएल में खेले अबतक 206 मैचों में 6,244 रन कूट चुके हैं। लीग में लगातार दो शतक जमाने का रिकॉर्ड भी सिर्फ धवन के ही नाम है आईपीएल में ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर का बल्ला भी जमकर बोलता है। वॉर्नर को आईपीएल में भारत की सरजमीं बेहद रास आती है। कंगारू ओपनर इस लीग में खेले 162 मैचों में अबतक 5,881 रन ठोक चुका है। वॉर्नर के नाम आईपीएल में चार शतक भी दर्ज हैं, जबकि वह 54 फिफ्टी भी लगा चुके हैं मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा का टीम को पांच बार चैंपियन बनाने में बल्ले से भी अहम किरदार रहा है। हिटमैन इस लीग में अबतक खेले 227 मैचों में 5,879 रन बना चुके हैं। रोहित जब अपने रंग में होते हैं, तो उनको रोकना दुनिया के किसी भी गेंदबाज के लिए टेढ़ी खीर साबित होता है। मिस्टर आईपीएल के नाम से मशहूर सुरेश रैना भले ही आईपीएल में अब नजर नहीं आ रहे हों, लेकिन इस लीग में सर्वाधिक रन कूटने के मामले में वह अभी भी पांचवें नंबर पर काबिज हैं। रैना ने इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास में खेले 205 मैचों में 5,528 रन कूटे हैं।

एमएस धोनी की कप्तानी के कायल हैं स्टीव स्मिथ बताया माही से सीखी मैदान पर शांत रहने की कला

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व मैच को पलटने का धोनी का हुनर कमाल का है। इस बीच, स्टीव स्मिथ आईपीएल में धोनी के साथ राइजिंग पुणे जायंट्स के साथ

कप्तान एमएस धोनी की कप्तानी का वर्ल्ड क्रिकेट कायल है। मैदान पर चाहे परिस्थिति कितनी ही विपरीत क्यों ना हो माही हमेशा ही शांत नजर आते हैं। इसके साथ ही आखिरी मौके पर दांव चलकर ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने एमएस धोनी की जमकर तारीफों के पुल बांधे हैं।स्मिथ का कहना है कि उन्होंने माही से हर परिस्थिति में मैदान पर शांत रहने की कला सीखी। खेल चुके हैं। पहले सीजन धोनी ने पुणे टीम की कप्तानी की थी। हालांकि, भारत की कप्तानी छोड़ने के बाद अगले सीजन फ्रेंचाइजी ने टीम की कमान माही से लेकर स्टीव स्मिथ के हाथों में सौंप दी थी।स्टीव स्मिथ ने स्टार स्पोर्ट्स के साथ बातचीत करते हुए धोनी को लेकर कहा, मुझे लगता है कि मैंने धोनी से मैदान पर शांत रहने की कला सीखी। मैंने उनके पूरे करियर में देखा कि वह किस तरह से हर परिस्थिति में शांत रहते हैं। उनके चेहरे पर बिल्कुल भी हाव-भाव नहीं बदलते हैं। शायद यह वो चीज है, जो मैंने उनसे लेने की कोशिश की।स्मिथ ने धोनी की तारीफ करते हुए कहा, ठठजाहिर तौर पर, उन्होंने अपने लंबे करियर में काफी उपलब्धि हासिल की। वह इस खेल को खेलने वाले बेस्ट कप्तान के तौर पर जाने जाएंगे। आपको पता है कि जब मुझे कॉल आया उन्होंने कहा कि वह चाहते हैं कि मैं टीम को लीड करूं, तो वह काफी डराने वाला था। हालांकि, उस सीजन धोनी लाजवाब रहे थे। उन्होंने हर तरह से मेरी मदद की जैसे वह कर सकते थे, वह एक कमाल के इंसान हैं। उनको अपनी कप्तानी में खेलते हुए देखना काफी शानदार और साथ ही डराने वाले अनुभव था।

राशिफल

मेष-: तली-भुनी चीजों से दूर रहें और नियमित व्यायाम करते रहें. घरेलू सुख-सुविधा की चीज़ों पर ज़रूरत से ज़्यादा खर्च़ न करें। पिता का तल्ख बर्ताव आपको नाराज़ कर सकता है।

वृष-: जीवन की सभी कठिन परिस्थितियों में आपको अपने माता-पिता का पूरा सहयोग मिलेगा. जो लोग प्रेम के मोर्चे पर मायूस महसूस कर रहे हैं।

मिथुन-: क्षणिक क्रोध विवाद और दुर्भावना का कारण बन सकता है. मनोरंजन और सौन्दर्य वृद्धि पर आवश्यकता से अधिक समय व्यतीत न करें।

कर्क-: आज सभी ग्रह और सितारे आपके पक्ष में हैं, आप जिस भी काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता जरूर मिलेगी. आज के दिन यात्रा की योजना बन सकती है।

सिंह-: आपकी इच्छा शक्ति को प्रोत्साहन मिलेगा, क्योंकि आप बहुत उलझी हुई परिस्थितियों से निकलने में क़ामयाब रहेंगे. भावनात्मक फैसले लेते समय अपनी तार्किकता को न छोड़ें।

कन्या-: प्रेम के मामले में सफलता मिलेगी. नए कार्यों की शुरुआत करना शुभ रहेगा। आज अपने प्रिय के साथ अपनी व्यक्तिगत भावनाओं और गोपनीय मामलों को साझा करने का सही समय है।

तुला-: जो लोग आपके पास कर्ज के लिए आते हैं, बेहतर होगा आप उन्हें नजरंदाज करें. पारिवारिक मोर्चे पर चीज़ें अच्छी रहेंगी और आप अपनी योजनाओं को पूरा समर्थन मिलने की उम्मीद कर सकते हैं।

वृश्चिक-: छात्रों के लिए दिन अनुकूल है क्योंकि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिल सकती है। जमीन-जायदाद संबंधी कार्य स्थगित करना आपके हित में रहेगा।

धनु-: इससे पहले कि नकारात्मक विचार मानसिक रोग का रूप लें, आपको उन्हें समाप्त कर देना चाहिए. आप किसी परोपकारी कार्य में हिस्सा लेकर ऐसा कर सकते हैं।

मकर-: लंबे समय से चली आ रही दिक्कतों से आज आपको छुटकारा मिल सकता है. आगे बढ़ने के बजाय अपने सभी आगामी कार्यों को पूरा करना ही समझदारी होगी।

कुंभ-: भावनात्मक रूप से बहुत अच्छा दिन नहीं रहेगा. आर्थिक समस्याओं के कारण आपको आलोचना और वाद-विवाद का सामना करना पड़ सकता है।

मीन-: आज आप सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेंगे, जिसका असर आपके आसपास के लोगों पर भी पड़ेगा. खुद के काम से समय निकालकर परिवार के साथ अधिक समय बिताना संभव नहीं होगा।

सम्पादकीय

ग्रामीण मांग में तेजी आने के साथ ही आर्थिकी को भी मिलेगा लाभ

पिछले दिनों एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसान सम्मान निधि योजना की तेरहवीं किस्त जारी की। इसके द्वारा आठ करोड़ से ज्यादा किसान परिवारों के खातों में कुल 16,800 करोड़ रुपये की नकद धनराशि हस्तांतरित की गई। वर्ष 2019 के आम चुनाव से पहले मोदी सरकार ने किसानों के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की शुरुआत की थी। इस सराहनीय योजना में किसान परिवारों की आर्थिक मदद के लिए तीन बराबर किस्तों में कुल 6,000 रुपये प्रति वर्ष डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर यानी डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरण करने का प्रविधान है। अब तक इस योजना के तहत लगभग 2.50 लाख करोड़ रुपये का हस्तांतरण पात्र किसानों के खातों में किया जा चुका है। इस योजना में जोड़ने से पहले लाभार्थी किसानों के आधार कार्ड, बैंक खातों, भूमि स्वामित्व अभिलेख और मोबाइल नंबर आदि के माध्यम से संपूर्ण सत्यापन किया जाता है। इस योजना की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें लाभार्थियों के बैंक खातों में बिना किसी बिचौलिये के इलेक्ट्रानिक माध्यम से एक बटन दबाकर सीधे धनराशि हस्तांतरित होती है। इससे एक तो इस धनराशि की बंदरबांट नहीं होती यानी 100 प्रतिशत राशि सीधे केवल पात्र किसानों को ही प्राप्त होती है और प्रशासनिक खर्चा भी कम होता है, जिससे सरकारी धन की बचत हो रही है। सारे देश के किसान मानते हैं कि मोदी सरकार की यह योजना उनके लिए अत्यंत लाभकारी है। किसानों के लिए यह राशि खाद, बीज, तेल आदि खरीदने, बच्चों की फीस, दवाई, सिंचाई एवं अन्य छोटे-मोटे खर्चों में बहुत कम आती है। आगामी वित्त वर्ष 2023-24 में इस योजना के लिए 60,000 करोड़ रुपये के बजट का आवंटन किया गया है। यह राशि पिछले वित्त वर्ष के संशोधित बजट अनुमान के बराबर ही है। इस योजना को शुरू हुए चार वर्षों से ज्यादा का समय बीत गया है, परंतु अभी तक इसके अंतर्गत मिलने वाली 6,000 रुपये की धनराशि में कोई वृद्धि नहीं की गई है। सरकार में बैठे अर्थशास्त्री भी इस बात से सहमत होंगे कि वर्ष 2019 से अब तक मुद्रास्फीति यानी महंगाई दर के कारण इस धनराशि के लगभग एक तिहाई मूल्य का ह्रास हो चुका है। यदि केवल महंगाई दर के आधार पर ही आकलन किया जाए तो आगामी वित्त वर्ष से इसमें मिलने वाली धनराशि को 6,000 रुपये से बढ़ाकर 8,000 रुपये किया जाना चाहिए था, परंतु पिछले चार वर्षों में फसलों की बढ़ती लागत का संपूर्ण आकलन करें तो आगामी वित्त वर्ष के बजट में इस योजना के अंतर्गत दी जाने वाली राशि को 6,000 रुपये से बढ़ाकर कम से कम 12,000 रुपये किया जाना अत्यंत आवश्यक है। इससे राजकोष पर 60,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भार तो पड़ेगा, परंतु इससे करोड़ों किसान परिवारों का भला अवश्य हो जाएगा। केंद्र सरकार ने आगामी वित्त वर्ष के लिए लगभग 45 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया है। अतः इस अतिरिक्त धनराशि का आवंटन एवं समायोजन करना बहुत कठिन भी नहीं है। भविष्य में भी इस योजना की धनराशि को मुद्रास्फीति की दर में कम से कम पांच प्रतिशत जोड़कर प्रत्येक वर्ष बढ़ाया जाए, ताकि इस योजना की राशि का आर्थिक मूल्य सम्मानजनक बना रहे। जो अर्थशास्त्री इस तर्क से सहमत न हों उन्हें यह याद दिलाना आवश्यक है कि वर्ष 2019 में घरेलू कंपनियों के आयकर यानी कारपोरेट टैक्स की दर को 30 प्रतिशत से घटाकर 22 प्रतिशत करने से केंद्र सरकार पर लगभग 1.50 लाख करोड़ रुपये का बोझ पड़ा था, जो हर साल बढ़ता जा रहा है। सरकार को आशा थी कि कारपोरेट टैक्स कम करने से कंपनियां निवेश बढ़ाएंगी, परंतु ऐसा नहीं हुआ। मांग के अभाव में जब अधिकांश उद्योग अपनी पूरी क्षमता पर उत्पादन न कर रहे हों तो नए उद्योगों में निवेश का कोई सवाल ही नहीं उठता। घरेलू मांग और उपभोग से ही हमारी जीडीपी का लगभग 60 प्रतिशत भाग आता है। अतः वैश्विक एवं अन्य कारणों से देश की मंद होती अर्थव्यवस्था में घरेलू मांग को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए ग्रामीण क्षेत्रों में धन का प्रवाह बढ़ाना होगा, जहां आज भी देश की 70 प्रतिशत आबादी बसती है। यदि प्रत्येक किसान परिवार को पीएम-किसान योजना में 12,000 रुपये सालाना मिलने लगें तो ग्रामीण क्षेत्रों में तुरंत क्रय-शक्ति बढ़ेगी और इस राशि को खर्च करने से देश की अर्थव्यवस्था में मांग बढ़ेगी। मांग बढ़ने से बिक्री, उत्पादन और अंततः रोजगार भी बढ़ेगा। धन के इस अतिरिक्त प्रवाह का अर्थव्यवस्था पर गुणक प्रभाव (मल्टीप्लायर इफेक्ट) भी पड़ेगा, जिससे आर्थिकी को गति मिलेगी।

विश्व आर्थिकी का केंद्र बनता भारत, वैश्विक अनिश्चितता के बीच देश की अहमियत बढ़ाता मजबूत आर्थिक प्रदर्शन

इन दिनों भारतीय अर्थव्यवस्था के बारे में प्रकाशित दो रिपोर्ट को गंभीरतापूर्वक पढ़ा जा रहा है। जहां संयुक्त राष्ट्र की 'विश्व आर्थिक स्थिति और संभावनाएं, 2023' रिपोर्ट में भारत को उद्योग-कारोबार और निवेश के मद्देनजर विश्व का आकर्षक स्थल बताया गया है, वहीं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) की रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की बढ़ी हुई अनिश्चितताओं के बीच भारत का मजबूत आर्थिक प्रदर्शन दुनिया में इसकी अहमियत बढ़ा रहा है। की अर्थव्यवस्था चीन की अर्थव्यवस्था की तुलना में लगातार तेज गति से आगे बढ़ रही है। आइएमएफ के अनुसार इस वित्त वर्ष में चीन की अर्थव्यवस्था में करीब 3.3 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। आगामी वित्त वर्ष में उसकी वृद्धि दर 4.4 प्रतिशत रह सकती है। भारतीय अर्थव्यवस्था चीन से होड़ लेने में इसलिए भी सफल दिखाई दे रही है, क्योंकि जहां कई वैश्विक कारक भारत के हित में हैं, वहीं चीन के सामने कई आर्थिक मुश्किलें हैं। इस समय चीन में युवा कामगारों भी मजबूती मिल रही है। हाल में माइक्रोसाफ्ट के सहसंस्थापक बिल गेट्स ने कहा कि इस समय दुनिया में रेखांकित हो रहा है कि भारत बौद्धिक संपदा, शोध एवं नवाचार की डगर पर तेजी से आगे बढ़कर विभिन्न क्षेत्रों में विकास कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय बौद्धिक संपदा (आइपी) सूचकांक, 2023 में बौद्धिक संपदा आधारित नवाचार के मामले में भारत को दुनिया की 55 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में 42वें स्थान पर चिह्नित किया गया है। इस रिपोर्ट के अनुसार भारत का आकार और पर पहुंच गया, जबकि वर्ष 2021 में इस इंडेक्स में भारत 46वें पायदान पर था। 2015 में ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में भारत 81वें स्थान पर था। बौद्धिक संपदा, शोध एवं नवाचार के आधार पर भारत निवेश हासिल करने के मामले में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इससे भारत में इंटरनेट आफ थिंग्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डाटा एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों में बने शोध एवं विकास और स्टार्टअप माहौल के चलते ख्याति प्राप्त वैश्विक कंपनियां अपने कदम तेजी से आगे बढ़ा रही हैं। अरब डालर था, वह चालू वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़कर 750 अरब डालर हो सकता है। आज भारत सबसे तेज डिजिटलीकरण वाला देश है। इसके साथ ही आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर को प्रोत्साहन देने के लिए पिछले दो वर्ष में केंद्र सरकार ने पीएलआइ स्कीम के तहत 14 उद्योगों को करीब दो लाख करोड़ रुपये आवंटन सुनिश्चित किया है। इसके परिणाम आने लगे हैं। अब देश के कुछ उत्पादक चीन से आयात की जाने वाली दवाई, अब 35 से अधिक देशों ने रुपये में व्यापार करने में रुचि दिखाई है। इससे भारत को कई मोर्चों पर लाभ मिलेगा। यद्यपि विश्व में भारत सबसे आकर्षक अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में उभर रहा है, लेकिन अभी वैश्विक सुस्ती के कारण निर्यात बढ़ाने और व्यापार घाटे की चुनौती को कम करने के लिए कुछ रणनीतिक कदम उठाए जाने की जरूरत बनी हुई है। इसके लिए हमें नई लाजिस्टिक नीति और गति शक्ति योजना को तेजी से आगे बढ़ाकर देश की अर्थव्यवस्था को

2023 में कुल वैश्विक विकास में भारत 15 प्रतिशत से भी अधिक का योगदान देगा। जहां चालू वित्त वर्ष 2022-23 में भारत की विकास दर दुनिया में सबसे अधिक करीब 6.8 प्रतिशत होगी, वहीं आगामी वित्त वर्ष 2023-24 में भी भारत की विकास दर 6.1 प्रतिशत के साथ फिर दुनिया में सर्वोच्च होगी। यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि भारत का अभाव है। उसकी अचल संपत्ति गिरावट के दौर में है। वहां विनिर्माण और वित्त की समस्या है। चीन के प्रति वैश्विक नकारात्मकता और अमेरिका के साथ व्यापार संबंधों में कड़वाहट का भी उसकी अर्थव्यवस्था पर असर पड़ रहा है। जैसे-जैसे भारत बौद्धिक संपदा, शोध एवं नवाचार में आगे बढ़ रहा है, वैसे-वैसे हमारी आर्थिकी को आर्थिक प्रभाव वैश्विक पटल पर बढ़ रहा है। ऐसी स्थिति में भारत आइपी-प्रेरित नवाचारों की मदद से अपनी आर्थिकी का कायाकल्प करने की मंशा रखने वाली तमाम उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक अग्रणी देश बन सकता है। इसी तरह ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स, 2022 में भारत शोध एवं नवाचार की डगर पर छलांग लगाते हुए 40वें स्थान पिछले आठ वर्षों में 160 से अधिक देशों की कंपनियों ने भारत में अर्थव्यवस्था के 61 क्षेत्रों में निवेश किया है। वित्त वर्ष 2021-22 में भारत को रिकार्ड स्तर पर 84 अरब डालर का विदेशी निवेश मिला था। वैश्विक निर्यात चुनौतियों के बीच भारत से निर्यात भी बढ़ रहा है। वर्ष 2021-22 में उत्पाद एवं सेवा निर्यात का जो मूल्य करीब 676 रसायन और अन्य कच्चे माल का विकल्प बनाने में सफल हुए हैं। यह भी भारत की बढ़ती हुई वैश्विक आर्थिक साख की सफलता है कि रिजर्व बैंक ने गत वर्ष डालर पर निर्भरता कम करने के लिए विदेशी व्यापार का लेन-देन रुपये में करने का प्रस्ताव दिया था। मारीशस और श्रीलंका द्वारा भारतीय रुपये में विदेशी व्यापार शुरू करने के बाद निर्यात प्रधान अर्थव्यवस्था बनाना होगा। दुनिया के विभिन्न देशों के साथ शीघ्रतापूर्वक मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को आकार देना होगा। शोध एवं नवाचार पर सकल घरेलू उत्पाद का दो प्रतिशत तक व्यय बढ़ाना होगा। तभी 'चीन प्लस वन' की जरूरत के मद्देनजर भारत दुनिया का नया आपूर्ति केंद्र तथा मैन्यूफैक्चरिंग हब बन सकेगा ।

लोक कल्याण के माध्यम हैं श्रीराम, केवल प्रभु के नाम का स्मरण ही तमाम तरह के विपदाओं से उबरने का उपाय है

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम भगवान विष्णु के अवतार हैं। भगवान विष्णु के अवतार लेने के कारणों में भक्तों के मन में आए विकारों को दूर करना, लोक में भक्ति का संचार करना, जन-जन के कष्टों का निवारण और भक्तों के लिए भगवान की प्रीति पा सकने की इच्छा पूरी करना प्रमुख हैं। सांसारिक जीवन में मद, काम, तब कृपानिधान प्रभु भांति-भांति के दिव्य शरीर धारण कर सज्जनों की पीड़ा हरते हैं एक भक्त के रूप में तुलसीदास जी का विश्वास है कि सारा जगत राममय है। सारे जगत में चारों ओर राम को देखना भक्ति की पराकाष्ठा है और समदर्शी होकर ऊपर से दिखने वाले विरोधों और उनसे उपजने वाली विपदाओं मिलता है और पुरस्कृत भी किया जाता है, परंतु भिन्नता के अति आग्रह या दुराग्रह कुछ कठिन सवाल भी खड़े करने लगते हैं, क्योंकि सिर्फ इसी से जीवन-यात्रा नहीं सधती एक और अनेक के बीच के रिश्ते प्राचीन काल से मनुष्य के सोच के केंद्र में रहे हैं। पुरा काल के सृष्टि के आख्यानों में एक यह भी है कि जगह ईश्वर की उपस्थिति है। इस विचार की पराकाष्ठा आदि शंकराचार्य के अद्वैत वेदांत में हुई जिसमें यह प्रतिपादित किया गया कि 'सर्वं खल्विदम् ब्रह्म' अर्थात जो कुछ है वह ब्रह्म ही है। सर्वव्यापी ब्रह्म, ईश्वर या परमात्मा की संकल्पना जीवन जीने के लिए एक सुदृढ़ आधार प्रदान करती है। जल, वायु आदि सभी को उपभोग्य वस्तु और खुद को उपभोक्ता मान कर उनका बेहिसाब दोहन करते हैं। यह अलग बात है कि अब इस स्वार्थ वृत्ति का हानिकर पहलू सामने आने लगा है। यदि पूरा जगत राममय है तो वह भी श्रीराम की ही भांति पूजनीय-वंदनीय हैं। श्रीराम सत्य, तप, तितिक्षा, संतोष, धैर्य करुणाकर आदि कहा गया है। जो सीय राममय होगा, वह इन भावों से आप्लावित होगा। उसमें ये भाव उपस्थित होंगे। तब जगत की अनुभूति और प्रतीति की दृष्टि तथा पैमाना बदल जाएगा। राम भाव की उपस्थिति में साम्य देखना संभव होगा और सम्यक् व्यवहार भी सधेगा। सबमें किसी एक तत्व की उपस्थिति सबकी अनुकूलता को द्योतित करती है जिससे सबके हित की संभावना बनती है। ऐसे में सभी एक-दूसरे का भला करना चाहेंगे, क्योंकि तब दूसरा पराया नहीं रह जाएगा। ऐसे ही उदार व्यक्ति के लिए कहा गया कि 'निज' और 'पर' का भेद मिट जाता है। वह अपने में सबको और सबमें अपने को देखता है। इस नए समीकरण में परस्पर भरोसा मुख्य हो जाता है। तब प्रतिरोध कम होता जाता है और परस्पर समर्थन बढ़ता है। सबको अपने जैसा मानने के कई परिणाम होते हैं। अपने अस्तित्व-बोध का विस्तार कर जो अपने लिए ठीक या प्रिय नहीं उसे दूसरों के साथ करने से बचते हैं। यह विचार जीवन का पाथेय हो जाता है। तभी 'सर्व' और 'सर्वोदय' की संकल्पना पूरी होगी, सर्वे भवंतु सुखिनः की कामना फलवती होगी और रामराज्य का संकल्प पूरा होगा। भेद-बुद्धि को जीवन में अपनाना कितना सतही, भ्रामक और हिंसक है इसका अनुभव हम सब अपने जीवन में नित्यप्रति करते रहते हैं। क्षुद्र मानसिकता वाला यह भाव विचलित कर देने वाला होता है। ऐसी पाप बुद्धि के चलते अहंकार प्रचंड होने लगता है। तब एक-दूसरे को नीचा दिखाना, चोट पहुंचाना, परवाह न करना और आधिपत्य जमाना आसान हो जाता है। अहं भाव की अनर्गल वृद्धि के बीच हम दूसरे या किसी अन्य का अस्तित्व ही नहीं स्वीकार करना चाहते। सीय राममय कहकर तुलसीदास समूची सृष्टि को प्रिय और अभिनंदनीय बनाते हैं। वह यह संदेश भी देते हैं कि जिस लोक में हम सभी विचरण करते हैं सौहार्द और सामंजस्य का आगार है, क्योंकि राम सबके हैं और सबमें उपस्थित हैं। लोकमानस में राम आज भी व्याप्त हैं, तो इसीलिए कि वे स्वयं ही लोकाराधक हैं।

क्रोध और मोह आदि से अनेक तरह के कष्ट होते हैं और उदात्त वृत्तियों के विकास में व्यवधान पड़ता है रामचरितमानस में इन स्थितियों का वर्णन करते हुए गोस्वामी तुलसीदास कहते हैं कि, जब-जब धर्म का ह्रास होता है, नीच और अभिमानी राक्षस बढ़ जाते हैं और अन्याय करने लगते हैं, पृथ्वी और वहां के निवासी कष्ट पाते हैं तब- से उबरने का उपाय भी। संप्रति समानता से ज्यादा अनोखे, अद्वितीय, सबसे अलग, औरों से कुछ हटकर खुद को दिखने-दिखाने का रिवाज जोरों पर है। औरों से अलग होना निश्चय ही बहुमूल्य है, क्योंकि वह नवीनता लाता है। नवीनता मन के लिए रमणीय होती है और इसलिए वह प्रिय भी हो जाती है। उसे समाज में आदर ईश्वर या परमात्मा को अकेले अच्छा नहीं लग रहा था। तब उसने एक से अनेक होने की इच्छा की। फिर जो भी दूसरा रचा गया उसमें वह स्वयं प्रवेश कर गया। इस आख्यान का एक आशय परमात्मा की उपस्थिति की व्याप्ति को दर्शाना है। ईशावास्योपनिषद् भी यही कहता है कि यह दुनिया ईश्वर की वासस्थली है। इसलिए यहां हर तुलसीदास जी जगत को सीय राममय कहकर भी संभवतः यही भाव व्यक्त कर रहे हैं। वह 'सारा जगत एक ही तत्व वाला है या एक ही तत्व का प्रकाश है' इस विचार की प्रतिष्ठा करते दिखते हैं।वस्तुतः यह मान कर ही सृष्टि मात्र में गुणवत्ता और शक्ति की प्रतिष्ठा हो सकेगी और हम उनका वास्तविक मूल्य समझ सकेंगे। आज हम पृथ्वी, और धर्मपरायणता की प्रतिमूर्ति हैं। श्रीराम का भाव परदुखकातरता के साथ प्रतिष्ठित है। राममय होने के साथ यह आशा भी बलवती होती है कि राम के अनुगामियों में इन सब सद्गुणों की वृद्धि होगी। दायित्व आने के साथ शक्ति की उपस्थिति होगी। विरोध-वैमनस्य की जगह आदर एवं सम्मान ले लेंगे। राम को समदर्शी, दीनबंधु, भक्तवत्सल और

संसद को सुचारू रूप से चलाने के लिए एक्टिव मोड में पीएम

संसद के बजट सत्र का दूसरे चरण चल रहा है और आज फिर दोनों सदनों में राहुल से माफी की मांग को लेकर हंगामा जारी है। भाजपा नेताओं ने राहुल गांधी से लंदन में भारत की छवि खराब करने को लेकर माफी की मांग की तो कांग्रेस ने अदाणी मुद्दे पर सरकार को घेरने

की कोशिश की। लोकसभा और राज्यसभा, दोनों में राहुल से माफी की मांग की गई। इस बीच लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही 2 बजे तक स्थगित कर दी गई है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद को सुचारू रूप से चलाने के लिए आज वरिष्ठ नेताओं संग बैठक की। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, पीयूष गोयल, नरेंद्र सिंह तोमर, किरेन रिजिजू, अनुराग ठाकुर और नितिन गडकरी सहित शीर्ष मंत्री इस बैठक में मौजूद रहे दो भारतीय फिल्मों को ऑस्कर मिलने पर राज्यसभा में बधाई दी गई है। राज्यसभा में जया बच्चन सहित विभिन्न नेताओं ने कहा कि भारतीय फिल्म जगत का नाम इससे रोशन हुआ है। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने आज सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सरकार खुद सदन नहीं चलाना चाहती। ऐसा नजारा कभी नहीं देखा कि सरकार के मंत्रियों ने सदन को ठप करने के लिए हंगामा किया हो। अधीर ने कहा कि राहुल गांधी आखिर माफी क्यों मांगेंगे उन्होंने कोई गुनाह किया है? माफी तो सरकार के लोगों को मांगनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने सदन में हंगामे को लेकर कांग्रेस पर हमला किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को रोना-धोना बंद कर देश से मांफी मांगनी चाहिए। ठाकुर ने कहा कि आज भारत एक ओर वैश्विक स्तर पर महाशक्ति के रूप में उभर रहा है और भारत 320 की अध्यक्षता कर रहा है। ये सभी चीजें भारत के बढ़ते कदम दिखाती है लेकिन दूसरी ओर राहुल गांधी विदेश में जाकर भारत को अपमानित करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

राहुल गांधी की रद्द हुई सदस्यता को लेकर ब्लाक कांग्रेस ब्योहारी ने किया विरोध प्रदर्शन

ब्योहारी। अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष व केरल(वायनाड) से लोकसभा सांसद राहुल गांधी की असंवैधानिक तरीके से रद्द की गई सदस्यता के विरोध में 26 मार्च रविवार को ब्लाक कांग्रेस कमेटी ब्योहारी द्वारा जिला कांग्रेस कमेटी शहडोल के अध्यक्ष सुभाष गुप्ता के मार्गदर्शन में जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया गया प्रदर्शन में शामिल कार्यकर्ताओं ने भाजपा की जनविरोधी नीतियों व तनाशाही के विरुद्ध आक्रोशित होकर प्रदर्शन किया दोपहर 3 बजे स्थानीय हनुमान मंदिर ब्योहारी के पास एकत्र हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हाथ में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा को लेकर मौन प्रदर्शन किया व नगर में पैदल मार्च निकालकर व मुंह में ताला लगाकर एवं हाथों में राहुल गांधी के डरो मत पोस्टरों को लेकर नगर भ्रमण पर निकले कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने भाजपा की तानाशाही पर जमकर हल्ला बोल किया एवं बनसूकली चौराहे पर बीच रास्ते में धरने पर बैठ कर विरोध दर्ज किया एवं नगर भ्रमण करते हुए थाना ब्योहारी में जाकर गिरफ्तारी दी गई प्रदर्शन का का नेतृत्व कर रहे ब्लाक कांग्रेस कमेटी ब्योहारी के अध्यक्ष विनोद ताम्रकार ने बताया कि जिस प्रकार देश में अपने दो मित्रों को बचाने के लिए भाजपा हर पैंतरा अपना रही है आखिर इस रिस्ते का क्या नाम है मोदी जी अडानी की यारी में देश से गद्दारी का यह सिलसिला आपकों ले डुबेगा राहुल गांधी जी के अडानी पर दिए गए पुख्ता सबूतों से डरी भाजपा ने आनन फानन में सदस्यता रद्द करने की जो तानाशाही अपनाई है व भाजपा के अंत का कारण बनेगी इसी कड़ी में वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुधीर पांडे ने अपने उद्बोधन में भाजपा पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि जनता देखेगी लोकतंत्र के साथ हुए इस अत्याचार को जनता देखेगी संविधान को ताक पर रखकर देश को अंधेरे में ढकेलते कुकर्म को जनता लेगी हिसाब देश को बेचने का व चंद लोगों के पास गिरवी रखने का प्रदर्शन के दौरान उपस्थित कांग्रेसजनो ने अपने अपने उद्बोधन में भाजपा की हिटलरशाही पर आक्रोशित होकर विरोध दर्ज किया प्रदर्शन में उपस्थित वरिष्ठ कांग्रेस जनों व कार्यकर्ताओं ने आक्रोशित ।

भगवान कृष्ण की बाल लीलाओ की कथा सुनाई

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। सेक्टर 82 स्थित स्वर्णिम विहार में आरडबल्यूए द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन रविवार को कथा व्यास

डॉक्टर निधि तेलंग ने भगवान कृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन किया। गोकुलवासी हर वर्ष की भांति इस बार भी इन्द्र को प्रसन्न करने के लिए तैयारी कर रहे हैं। बाल कृष्ण मैया यशोदा और बाबा नंद से पूछते हैं तो वह बताते हैं कि वर्षा के लिए हम सभी व्रजवासी इन्द्र की पूजा करते हैं। भगवान कृष्ण ने सभी को समझाया कि इंद्र की जगह हमें गिरिराज भगवान की पूजा करनी चाहिए । सभी मिलकर गिरिराज भगवान की पूजा करते हैं और उन्हें छप्पन भोग का प्रसाद चढ़ाया जाता है। इस बात से क्रोधित होकर इन्द्र पूरे वृज क्षेत्र में लगातार भारी बारिश कराते हैं जिससे चारों ओर त्राहि त्राहि मचने लगी। भगवान कृष्ण ने अपनी उंगली पर गिरिराज पर्वत को धारण कर लिया और सभी की रक्षा की जब इन्द्र को अहसास हुआ कि कृष्ण साधारण बालक नहीं बल्कि साक्षात विष्णु के अवतार है। इन्द्र का अभिमान चूर चूर हो जाता है और वह भगवान से क्षमा मांगते हैं। समिति के प्रवक्ता राघवेंद्र दुबे ने बताया कि गिरिराज भगवान को छप्पन भोग अर्पित किए गए साथ ही इस अवसर पर कथा स्थल पर फूलों की होली भी खेली गई जिससे सम्पूर्ण वातावरण वृजमय हो गया। इस अवसर आयोजन समिति के प्रवक्ता राघवेंद्र दुबे, आरडबल्यूए अध्यक्ष उर्मिला देवी शर्मा, सचिव सुखवीर सिंह, शेखर, के के जैन,नीतू सिंह,डॉक्टर मीतेश शर्मा,डॉक्टर दीपिका सहित तमाम भगवत्प्रेमी भक्त मौजूद रहे।

गोरखनाथ मंदिर में सीएम योगी ने पखारे कन्याओं के पांव, बोले- यही हमारे देश की संस्कृति है

(आधुनिक समाचार सेवा)

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चैत्र नवरात्र की

नवमी तिथि गुरुवार को गोरखनाथ मंदिर स्थित भवन में विधि-विधान के साथ परंपरागत कन्या पूजन किया। उन्होंने मां भगवती के नौ स्वरूपों की प्रतीक नौ कन्याओं, एक बटुक भैरव के पांव पखारकर पहले पूजा-अर्चना की, उसके बाद अपने हाथों से भोजन कराकर दक्षिणा के साथ उनकी विदाई की। इस दौरान मंदिर में पहुंची अन्य कन्याओं को भी उसी श्रद्धाभाव से भोजन कराया गया और विदाई की गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मातृशक्ति की आराधना हमारे देश की संस्कृति है। इसीलिए नवरात्र के नवें दिन कन्या पूजन का विधान है। कन्या पूजन का समय दोपहर 12 बजे निर्धारित था। मुख्यमंत्री के पहुंचने से पहले आमंत्रित कन्याएं पूजन स्थल पर पहुंच गईं। सबसे पहले उन्होंने बारी-बारी से थार में नौ कन्याओं और एक बटुक भैरव को खड़ा कर उनका पांव पखारा। उसके बाद टीका लगाकर चुनरी ओढ़ाई और आरती उतारी। पूजा के बाद कन्या भोज का कार्यक्रम शुरू हुआ। मुख्यमंत्री एक-एक सभी कन्याओं के पास गए और उनकी थाली में अपने हाथों से भोजन परोसा और बाकायदा पूछ-पूछ कर खिलाया। इस दौरान वह बच्चों को दुलराते भी रहे। भोजन के बाद मुख्यमंत्री ने सभी कन्याओं की अपने हाथ से दक्षिणा देकर सम्मान के साथ विदा किया। मुख्यमंत्री से पूजाकर बच्चे प्रसन्न नजर आए। कुछ ने तो प्रतिक्रिया भी दी। बोले, योगी बाबा बहुत अच्छे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को ब्रह्म मुहूर्त में सुबह चार बजे मां भगवती के नवें स्वरूप मां सिद्धिदात्री की वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आराधना की। मंदिर के शक्तिपीठ में दो घंटे से अधिक समय तक चले अनुष्ठान को प्रधान पुरोहित आचार्य रामानुज त्रिपाठी और उनकी पुरोहित टीम ने सम्पन्न कराया। दुर्गा सप्तशती के पाठ और आरती के बाद प्रसाद वितरण के साथ पूजा सम्पन्न हुई।

मैहर की सुंदरता बढ़ाने के चक्कर में पर्यावरण को स्वच्छ रखने वाले पेड़ों की दी जा रही आहुति

(आधुनिक समाचार सेवा)

मैहर। मां शारदा के चरणों में हजारों की संख्या में दर्शनार्थी माथा टेकने पहुंचते हैं, नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारी मां शारदा के चरणों में आ रहे दर्शनार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा ना हो और सुंदर मेहर स्वच्छ मेहर दिखे उस तर्ज को लेकर, कन्या शाला विद्यालय के सामने नवनिर्मित फुहारे का निर्माण कराया गया है लेकिन दूरदराज से आ रहे दर्शनार्थी एवं मैहर वासियों को विकास कार्य नहीं दिख रहा था उस विकास कार्य को दिखाने के चक्कर में हरे भरे पेड़ की बलि चढ़ा दी गई एक तरफ मध्यप्रदेश सरकार करोड़ों रु खर्च करके मनरेगा के तहत प्लांटेशन करा रही है दूसरी ओर नगरपालिका के जिम्मेदार अधिकारियों ने कर्मचारियों को हरे भरे पेड़ को काटने का आदेश दे दिया।

राहुल गांधी की रद्द हुई सदस्यता को लेकर ब्लाक कांग्रेस ब्योहारी ने किया विरोध प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार सेवा)

ब्योहारी। अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष व केरल(वायनाड) से लोकसभा सांसद राहुल गांधी की असंवैधानिक तरीके से रद्द की गई सदस्यता के विरोध में 26 मार्च रविवार को ब्लाक कांग्रेस कमेटी ब्योहारी द्वारा जिला कांग्रेस कमेटी शहडोल के अध्यक्ष सुभाष गुप्ता के मार्गदर्शन में जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया गया प्रदर्शन में शामिल कार्यकर्ताओं ने भाजपा की जनविरोधी नीतियों व तनाशाही के विरुद्ध आक्रोशित होकर प्रदर्शन किया दोपहर 3 बजे स्थानीय हनुमान मंदिर ब्योहारी के पास एकत्र हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हाथ में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा को लेकर मौन प्रदर्शन किया व नगर में पैदल मार्च निकालकर व मुंह में ताला लगाकर एवं हाथों में राहुल गांधी के डरो मत पोस्टरों को लेकर नगर भ्रमण पर निकले कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने भाजपा की तानाशाही पर जमकर हल्ला बोल किया एवं बनसूकली चौराहे पर बीच रास्ते में धरने पर बैठ कर विरोध दर्ज किया एवं नगर भ्रमण करते हुए थाना ब्योहारी में जाकर गिरफ्तारी दी गई प्रदर्शन का का नेतृत्व कर रहे ब्लाक कांग्रेस कमेटी ब्योहारी के अध्यक्ष विनोद ताम्रकार ने बताया कि जिस प्रकार देश में अपने दो मित्रों को बचाने के लिए भाजपा हर पैंतरा अपना रही है आखिर इस रिस्ते का क्या नाम है मोदी जी अडानी की यारी में देश से गद्दारी का यह सिलसिला आपकों ले डुबेगा राहुल गांधी जी के अडानी पर दिए गए पुख्ता सबूतों से डरी भाजपा ने आनन फानन में सदस्यता रद्द करने की जो तानाशाही अपनाई है व भाजपा के अंत का कारण बनेगी इसी कड़ी में वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुधीर पांडे ने अपने उद्बोधन में भाजपा पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि जनता देखेगी लोकतंत्र के साथ हुए इस अत्याचार को जनता देखेगी संविधान को ताक पर रखकर देश को अंधेरे में ढकेलते कुकर्म को जनता लेगी हिसाब देश को बेचने का व चंद लोगों के पास गिरवी रखने का प्रदर्शन के दौरान उपस्थित कांग्रेसजनो ने अपने अपने उद्बोधन में भाजपा की हिटलरशाही पर आक्रोशित होकर विरोध दर्ज किया प्रदर्शन में उपस्थित वरिष्ठ कांग्रेस जनों व कार्यकर्ताओं ने आक्रोशित होकर भाजपा की कुनितियो पर नारेबाजी करते हुए हल्ला बोल किया प्रदर्शन के दौरान मुख्य रूप से यह रहे उपस्थित जनपद पंचायत सदस्य वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरेंद्र सिंह ब्लाक कांग्रेस कमेटी ब्योहारी अध्यक्ष विनोद ताम्रकार संगठन महामंत्री हरिशंकर कोरी वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुधीर पांडे जिला पंचायत सदस्य पुष्पेंद्र पटेल पूर्व पार्षद चिरंजीव लाल चंचलानी वार्ड क्रमांक 10 पार्षद गीता कोल जिला कांग्रेस महासचिव सतेन्द्र त्रिपाठी पिंटू जिला महामंत्री विक्रम सिंह बघेल युवा कांग्रेस अध्यक्ष रावेन्द्र बैस आईटीसेल कांग्रेस अध्यक्ष आयुष ताम्रकार मोहम्मद अब्बास खान चन्द्रमा तिवारी महामंत्री ब्लाक कांग्रेस अरविंद पाण्डेय पुष्पेंद्र परौहा त्रिवेणी मिश्रा प्रकाश ताम्रकार ओपी शुक्ला पूर्व युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष अजय शुक्ला रामलखन सिंह दिलीप कुमार तिवारी पिछड़ा वर्ग कांग्रेस प्रकोष्ठ हरि सिंह बरगाही मोहम्मद इस्लाम कलमी राजेन्द्र सोनी संदीप पटेल स्वागत साहू बृजराज सिंह रामदुलारे यादव आदित्य देव सिंह बन्नी पुष्पेंद्र कोल पूर्व पार्षद पप्पू साकेत अंकित गुप्ता (बल्ली) विश्वनाथ प्रजापति रामनरेश सिंह बिहारी बुनकर प्रकाश सोनी विजय बहादुर सिंह श्रीकांत पांडे बसंत साहु मुन्ना लाल मौर्य सबनम खान आदित्य मिश्रा प्रद्युम्न मिश्रा रामसजीवन शर्मा जनपद पंचायत सदस्य जयलाल कोल कृष्ण कुमार पटेल सुंदर लाल गुप्ता मुकेश तिवारी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता व वरिष्ठ नेतागण उपस्थित रहे विनोद पटेल पंकज सिंह राजू नामदेव एल एम त्रिपाठी दुर्गा विश्वकर्मा रामाधार कुशवाहा दशरथ सिंह कुशराम नागेंद्र वर्मा लालमन सिंह गायत्री पटेल जनपद पंचायत सदस्य।

जी एल बजाज में एक दिवसीय एलुमनाई टाक का आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। जीएल बजाज कॉलेज के पीजीडीएम विभाग में सोशल मीडिया प्रबंधन की बदलती गतिशीलता पर एक दिवसीय एलुमनाई टॉक का आयोजन किया गया। इस वार्ता का मुख्य उद्देश्य प्रथम वर्ष के छात्रों को प्रभावी मार्केटिंग के लिए सोशल मीडिया

प्रबंधन के मूल सिद्धांतों से अवगत कराना था। कार्यक्रम में जीएल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च के पूर्व छात्र रवि रंजन ने मुख्य वक्त के रूप में भाग लेकर छात्रों को संबोधित किया। रवि रंजन ने अपने वक्तव्य में सोसियल मीडिया पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के आधुनिक और डिजिटल युग में सभी सोशल मीडिया प्लेटफार्म के बीच ट्विटर की सबसे शक्तिशाली पहुंच है। भारत के माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी का ट्विटर पर सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले एशियाई होना इसका उद्हारण है। उन्होंने कहा कि ट्विटर स्पेस सबसे अधिक क्रिकेट समाचार, बॉलीवुड समाचार और फिर राजनीतिक समाचारों को ट्रेंड करता है। इंस्टाग्राम का दुनिया भर में बहुत अधिक उपयोग है यहां तक कि सेलेब्रिटीज को भी उनकी पोस्ट के लिए पैसे दिए जाते हैं। हैशटैग का प्रभाव अविश्वसनीय है क्योंकि यह बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंचने में मदद करता है। 2014 के चुनाव का उद्हारण देते हुए उन्होनें कहा कि दक्षिणपंथी पार्टियों ने राजनीतिक अभियान के लिए सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग किया था। उन्होंने वीडियो क्लिप के माध्यम से सभी मुद्दों को उठाया। अंत में छात्रों ने वक्ता से सोसियल मीडिया से जुड़े सवालों को पूछकर अपनी जिज्ञासा को पूरा किया। जीएल बजाज समूह के वाइस चेयरमैन डॉ0 पंकज अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। पीजीडीएम विभाग की निदेशक डॉ0 सपना राकेश ने वक्ता रवि रंजन को धन्यवाद देते हुए कहा कि एलुमनाई किसी भी आर्गेनाईजेशन की बैक बोन होती। इस दौरान डॉ0 अर्पिता श्रीवास्तव, डॉ0 प्राची अग्रवाल , डॉ0 सुरभि सिंह, डॉ0 सुनीता चौधरी और डॉ0 अरविंद कुमार भट्ट विशेष रूप से मौजूद रहे।

स्वास्थ्य विभाग की तैयारी पूरी पर लोगों की सतर्कता और भी जरूरी

कोविड के लक्षण नजर आने पर जरूर कराएं जांच

जनपद में जांच-उपचार की पूरी व्यवस्था : सीएमओ

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। कोविड के मामले बढ़ रहे हैं, लेकिन इन्हें रोका जा सकता है। इसके लिए जन समुदाय को सतर्क और जागरूक होना होगा। स्वास्थ्य विभाग कोविड को लेकर

पूरी तरह से तैयार है, पर लोगों का सहयोग और भी जरूरी है। यह बात मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डा. सुनील कुमार शर्मा ने कही। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया -कोविड से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग की पूरी तैयारी है। सेक्टर 49 स्थित संयुक्त जिला अस्पताल (पुराना कोविड अस्पताल) के तृतीय तल पर कोविड डेडिकेटेड वार्ड तैयार है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर भी उपचार की व्यवस्था दुरुस्त है। इसके अलावा निजी चिकित्सालयों को सतर्क कर दिया गया है। उन्हें निर्देश दिये गये हैं कि कोविड पॉजिटिव मरीजों का सैंपल स्वास्थ्य विभाग को भेजें, जिससे उसकी जीनोम सिक्वेंसिंग करायी जा सके। सरकारी स्तर पर टेस्टिंग बढ़ाने को कहा गया है। उन्होंने बताया- जनपद में 17 ऑक्सीजन संयंत्र क्रियाशील हैं। इनमें 11 सरकारी और 6 निजी संयंत्र हैं। विभाग के पास बड़ी संख्या में 10 लीटर के ऑक्सीजन कंसंट्रेटर उपलब्ध हैं। डा. शर्मा ने कहा- उपचार से बेहतर है बीमारी से बचाव। इसलिए लोगों को चाहिए कि वह कोविड प्रोटोकॉल का पूरी तरह पालन करें। लापरवाही से समस्या बढ़ सकती है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि सार्वजनिक स्थानों पर जाएं तो मास्क जरूर पहनें। घर आने पर और कुछ भी खाने पीने से पहले हाथों को अच्छी तरह साबुन पानी से धोएं। उन्होंने कहा - मौसम बदलने की वजह से खांसी जुकाम- बुखार की शिकायत हो जाती है। इन्फ्लूएंजा लाइक इलनेस (आईएलआई) और सीवियर एक्यूट रेस्पिरेटरी इन्फेक्शन (सारी) के लक्षण नजर आने पर चिकित्सक से परामर्श लें और कोविड की जांच कराएं। उप जिला सर्विलांस अधिकारी एवं डिस्ट्रिक्ट पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट डा. अमित कुमार ने बताया- जनपद में कोविड से निपटने के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं । सर्विलांस सिस्टम को मजबूत किया गया है। टेस्टिंग, ट्रेसिंग बढ़ा दी गयी है। स्वास्थ्य केन्द्रों पर हेल्प डेस्क बनाई जा रही है। उन्होंने कहा- लक्षण नजर आने पर घबराएं नहीं, चिकित्सक को दिखाएं, जांच कराएं,। जरूरत होने पर हेल्पलाइन नंबर-18004192211 पर कॉल करें। जनपद में उपचार के लिए चार एल-1 और चार एल-2 स्तर के अस्पताल अलर्ट मोड पर हैं। जरूरत पड़ने पर यहां उपचार की पूरी व्यवस्था है। डा. अमित ने कहा- त्योहार का समय है इसलिए लोग कोविड प्रोटोकॉल का पालन जरूर करें। धर्म स्थलों पर जाते समय उचित दूरी बनाए रखें। उन्होंने कहा- एहतियात ही सबसे बड़ा बचाव है।

श्रीमद् भागवत कथा में कंस वध की कथा का किया वर्णन

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। सेक्टर 46 स्थित सामुदायिक केंद्र में आरडब्ल्यूए द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के छठवें दिन सोमवार को कथा व्यास डॉक्टर निधि तेलंग ने उद्धव चरित्र, कंस वध एवं रुक्मणि विवाह का रोचक वर्णन किया। भगवान कृष्ण और बलराम कंस के दरबार में प्रवेश करते हैं जहां मदमस्त हाथी को उनके ऊपर छोड़ दिया जाता है , भगवान उसका एक प्रहार से वध कर देते हैं। कंस द्वारा तमाम योद्धाओं को कृष्ण और बलराम को मारने के लिए भेज जाता है। कृष्ण और बलराम सभी को मारकर अपने परमधाम को पहुंचा देते हैं। भगवान कृष्ण अभिमानी कंस के बाल पकड़ कर सिंघासन के नीचे गिरा देते हैं और उसके पापों की याद दिलाते हैं। कृष्ण अपने प्रहार से कंस का अंत कर देते हैं और अपने परमधाम को पहुंचा देते हैं। आयोजन समिति के प्रवक्ता राघवेंद्र दुबे ने बताया कि मंगलवार को कथा के सातवें दिन सुदामा चरित्र, परीक्षित मोक्ष, शुकदेव विदाई आदि प्रसंगों के साथ कथा का विश्राम होगा। कथा दोपहर 2 बजे से शुरू होगी एवं 4 बजे से हवन पूजन के बाद भंडारा होगा।इस अवसर पर आरडब्ल्यूए अध्यक्ष उर्मिला देवी शर्मा, सचिव सुखवीर सिंह, शेखर जी, कपिल गौड़, सुरेंद्र पाल, दलवीर सिंह, परमवीर सिंह, सुधीर, श्याम जी, पवन गुप्ता, राजीव गोयल, अर्चना चतुर्वेदी, ममता शर्मा, ममता अग्रवाल, संजीव पुरोहित, बीके गौतम, सुभाष तैलंग सहित तमाम भगवत्प्रेमी भक्त मौजूद रहे।

मातृ शक्ति सम्मान एवं कवियत्री सम्मेलन आयोजित

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। सेक्टर 44 स्थित महामाया बालिका इंटर कॉलेज के प्रांगण में नई पहल का आयोजन बेहद शानदार रहा । नई पहल एवं नारी प्रगति सोशल फ़ाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित मातृशक्ति सम्मान एवं कवयित्री सम्मेलन नोएडा के महनीय सामाजिक कार्यकर्ताओं, पत्रकारों,और अधिकारियों और कविता प्रेमियों की सक्रिय उपस्थितियों में सम्पन्न हुआ मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश महिला आयोग की अध्यक्ष एवं नोएडा की पूर्व विधायक श्रीमती विमला बाथम पूरे समय तक उपस्थित रहकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी त् नवरात्रि के अवसर पर नई पहल और नारी प्रगति सोशल फ़ाउंडेशन द्वारा सम्मानित 9 मातृशक्ति में डॉ अंजलि भट्टाचार्या,अंजलि सचदेवा,डॉ छाया जैन,डॉ कल्पना भूषण ,नीलम भागी,राजेश्वरी त्यागराजन ,डॉ रेखा शर्मा,शैल माथुर जी एवं विमलेश शर्मा जी का नाम उल्लेखनीय है त् शैक्षिक कार्यों में उल्लेखनीय कार्य हेतु राजकीय स्नातकोत्तर विद्यालय नोएडा की प्रधानाचार्या डॉ मँजू शर्मा जी का विशेष सम्मान किया गया त् कवयित्री सम्मेलन में श्रीमती इंदू शर्मा ,अंजलि शिशौदिया एवं श्रुति सक्सेना ने काव्य-पाठ किया त् नई पहल की पहल के अंतर्गत इन आमंत्रित कवियों के साथ-साथ विद्यालय के कई होनहार

नवोदित कवयित्रियों ने भी काव्य-पाठ किया जिनमें खुशबू,संजना,सायदा जैसे नाम प्रमुख हैं त् नारी प्रगति सोशल फ़ाउंडेशन के संरक्षक सौरभ त्यागी जी ने भी खूबसूरत पाठ किया इस कार्यक्रम के आयोजन में नई पहल संस्था से एस सी मिश्रा ,विनोद शर्मा ,विनोद पाण्डेय,कुलदीप बरतरिया एवं नारी प्रगति सोशल फ़ाउंडेशन से मीनाक्षी त्यागी ,वनिता वट सहित पूरी टीम का योगदान रहा कार्यक्रम में नोएडा के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे जिसमें नोएडा लोकमंच महासचिव महेश सक्सेना ,नवरत्न अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव,टेन न्यूज़ चेयरमैन गजानन माली ,फ़ोनरवा अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा ,वरिष्ठ समाजसेवी त्रिलोक शर्मा,नोवेरा अध्यक्ष रंजन तोमर ,प्रिंस शर्मा ,गिरीश मिश्रा,लोकेश त्रिपाठी,डॉ हरीश त्रिपाठी,डॉ ज्योति त्रिपाठी, मुकुल बाजपेयी , कमल पांडेय, अभय पांडेय ,दिनेश सिंह ,कमांडर खुराल ,आलोक जी ,अशोक जी सहित और भी कई गणमान्य लोग उपस्थित रहें ।

रामनवमी पर प्रभास की 'आदिपुरुष' का नया पोस्टर रिलीज, लुक देख हक्के-बक्के रह गए लोग

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। प्रभास ने एक बार फिर से अपनी कमर कस ली है। वह सोशल मीडिया पर यूजर्स हैरान रह गए हैं। रामनवमी पर सामने आया 'आदिपुरुष' का नया पोस्टर बाण लिए लक्ष्मण का किरदार निभा रहे सनी सिंह भी इस लुक में बहुत ही जम रहे हैं। इस बिल्कुल नए 'ये बहुत ही अच्छा पोस्टर है, जिसमें लुक काफी अच्छा है और उसे पूरे सम्मान के साथ इसे पेश किया

इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'आदिपुरुष' को लेकर लगातार चर्चा में हैं। इस मूवी में प्रभास के साथ-साथ कृति सेनन और सैफ अली खान मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।आदिपुरुष' के पोस्टर पहले भी रिलीज हो चुके हैं, लेकिन उसकी वजह से प्रभास और मेकर्स दोनों को ही सोशल मीडिया पर बुरी तरह से ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था। अब रामनवमी के इस पावन मौके पर प्रभास ने अपनी आगामी फिल्म 'आदिपुरुष' का नया पोस्टर रिलीज हुआ है, जिसे देखकर प्रभास ने कुछ समय पहले ही अपने इंस्टाग्राम पर अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म 'आदिपुरुष' का नया पोस्टर आउट किया है और फिल्म की रिलीज डेट भी बताई है। इस नए पोस्टर में प्रभास भगवान राम के रूप में नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही उनके पास एक तरफ माता सीता का किरदार निभा रहीं कृति सेनन खड़ीं हुई हैं, जो सिम्पल साड़ी और शॉल ओढ़ें नजर आ रही हैं।माथे पर बिंदी लगाए उनका ये लुक देखते ही बन रहा है। इसके अलावा उनकी दूसरी तरफ धनुष-पोस्टर में हनुमान भी हैं। प्रभास ने सुबह-सुबह इस पोस्टर को जारी करके अपने चाहने वालों को रामनवमी की बधाई दी। आते ही ये पोस्टर सोशल मीडिया पर छा गया है। इस पोस्टर को शेयर करते हुए प्रभास ने कैप्शन में लिखा, 'मंत्रों से बढ़कर तेरा नाम, जय श्री राम'। इस पावन अवसर पर प्रभास की इस फिल्म के पोस्टर को देखने के बाद फैंस खुशी से झूम उठे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'जय श्रीराम'। दूसरे यूजर ने लिखा, 'रिकॉर्ड ब्लास्ट होगी ये फिल्म'। अन्य यूजर ने लिखा, गया है'। हालांकि, एक यूजर्स का एक सेक्शन ऐसा भी है, जो प्रभास और मेकर्स को एक बार फिर से अपना निशाना बनाते हुए नजर आ रहे हैं। इस दिन सिनेमाघरों में रिलीज होगी फिल्म प्रभास-कृति सेनन स्टारर आदिपुरुष 16 जून 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। 'बाहुबली' और 'बाहुबली-2' जैसी फिल्मों के बाद इस अवतार में प्रभास को देखने का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन ओम राउत ने किया है।

क्या 'दृश्यम 2' जैसी कामयाबी दोहरा पाएगी अजय देवगन और तब्बू की जोड़ी

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। साल 2023 की पहली तिमाही गुजरने को है, मगर बॉक्स ऑफिस का मिजाज किसी की समझ नहीं आ रहा। शाह रुख खान की फिल्म 'पठान' ने पांच सौ करोड़ से ज्यादा नेट कलेक्शन करके जो उम्मीद जगायी थीं, वो बाद में आयी फिल्मों ने धराशायी कर दीं। रणबीर कपूर की रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'तू झूठी मैं ऑफिस पर विफल रहीं। अब गुरुवार (30 मार्च) को अजय देवगन की फिल्म 'भोला' सिनेमाघरों में रिलीज हो रही। 'तू झूठी मैं मक्कार' के बाद अब 'भोला' से बॉक्स ऑफिस पर चमत्कार की उम्मीद की जा रही है।'भोला' के ओपनिंग डे कलेक्शन का अनुमान लगाने के लिए अजय की उन फिल्मों का विश्लेषण करना होगा, जिनका उन्होंने निर्देशन भी किया है, क्योंकि फिल्म 'यू मी और हम' को 2.21 करोड़ की ओपनिंग मिली थी। अजय के निर्देशन में बनी सभी फिल्मों में सबसे सफल 'शिवाय' ही है, जो एक्शन-थ्रिलर थी। 'भोला' भी इसी जॉनर की फिल्म है और शिवाय की तरह फेस्टिवल पर आ रही है, ऐसे में छुट्टी का फायदा इस फिल्म को मिल सकता है। हालांकि, रमजान की वजह से फिल्म के दर्शक कम भी हो सकते हैं। अब, अजय थी। अजय की सबसे बड़ी ओपनिंग 'गोलमाल अगेन' की है। 2017 में आयी फिल्म को पहले दिन 30 करोड़ मिले थे। इस लिहाज से देखें तो 'भोला' को 10-12 करोड़ की कमाई करने की उम्मीद जतायी जा रही है। अजय देवगन की फिल्म 2डी, 3डी और आइमैक्स फॉर्मेट्स में रिलीज हो रही है। इसे यूए सर्टिफिकेट मिला है। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म 3-4 हजार स्क्रींस

मक्कार' जरूर बॉक्स ऑफिस पर टिककर खेली, मगर उससे पहले और बाद में आयी फिल्मों ने निराश ही किया। तू झूठी मैं मक्कार 130 करोड़ से ज्यादा जमा कर चुकी है और फिल्म अभी भी रेस में बनी हुई है। फैंस ही नहीं ट्रेड की नजरें भी 'भोला' पर रानी मुखर्जी की 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे', कपिल शर्मा की 'ज्विगाटो' और राजकुमार राव की 'भीड़' बॉक्स 'भोला' के अजय निर्देशक भी हैं। दूसरा ऐसी फिल्में, जिनमें उन्होंने सिर्फ अभिनेता के तौर पर काम किया है। अजय के निर्देशन में बनी पिछली फिल्मों की बात करें तो 29 अप्रैल 2022 को आयी 'रनवे 34' ने 3.50 करोड़ की ओपनिंग ली थी। 2016 में 28 अक्टूबर को रिलीज हुई 'शिवाय' को 10.24 करोड़ की ओपनिंग मिली थी। वहीं, अजय की डायरेक्टोरियल डेब्यू की उन फिल्मों की बात करें, जो उन्होंने दूसरे निर्देशकों के साथ की हैं तो पिछले साल दिवाली के मौके पर आयी 'थैंक गॉड' को 8 करोड़ के आसपास की ओपनिंग मिली थी। वहीं, 'दृश्यम 2' ने 15 करोड़ के आसपास ओपनिंग ली थी।उससे पहले 2020 में आयी 'तान्हाजी- द अनसंग वॉरियर' को भी 15 करोड़ से अधिक की ओपनिंग मिली थी। यह फिल्म भी एक्शन से भरपूर पर उतारी जाएगी। 'भोला' के सामने वैसे तो तो चुनौती नहीं है। मगर, तेलुगु फिल्म 'दसरा' रास्ता मुश्किल कर सकती है। नानी अभिनीत यह फिल्म हिंदी में भी रिलीज की जा रही है। इसकी 'पुष्पा' जैसी रॉ और रस्टिक अपील सिंगल स्क्रीन दर्शकों को प्रभावित कर सकती है। अगर ऐसा हुआ तो 'भोला' की चुनौती बढ़ जाएगी।

रणवीर सिंह बने इस स्पोर्ट्स चैनल के 'सूत्रधार

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। खेल और बॉलीवुड सेलेब्रिटीज का रिश्ता काफी गहरा है। यह रिश्ता कभी किसी मैच तो कभी किसी अफेयर के जरिए सामने आता रहता है। बॉलीवुड सेलेब्रिटीज खेलों से जुड़ने का कोई मौका नहीं छोड़ते। अब आइपीएल

2023 से पहले रणवीर सिंह को खेलों से जुड़ने का बड़ा मौका मिला है। रणवीर को स्टार स्पोर्ट्स चैनल ने अपना ब्रांड एम्बेस्डर नियुक्त किया है। रणवीर इनक्रेडिबल लीग के इस सीजन में 'सूत्रधार' की भूमिका निभाएंगे। रणवीर, लीग से जुड़े दिलचस्प किस्से सुनाएंगे। साथ ही लीग के वर्तमान और भविष्य को लेकर भी बातें करेंगे। सूत्रधार का सफर 31 मार्च से 2 अप्रैल के वीकेंड से शुरू हो जोगा, जिसमें रणवीर टूर्नामेंट के 16वें एडिशन से जुड़ी कुछ खास बातें बताएंगी। इस एसोसिएशन को लेकर रणवीर ने कहा कि खेलों का शौकीन होने की वजह से इस ब्रांड से जुड़ना उनके लिए एक खास अनुभव है। स्टार स्पोर्ट्स पर वर्ल्ड स्पोर्ट्स के कुछ शानदार लम्हे देखते हुए हम बड़े हुए हैं। इस अद्भुत यात्रा का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात है। डिज्नी स्टार के स्पोर्ट्स हेड संजोग गुप्ता का कहना है कि उनके साथ जुड़कर हम उन दर्शकों तक पहुंचना चाहते हैं, जो अभी तक अपने भीतर छुपी खेलों की दीवानगी और उसके जुनून से अनजान हैं। इसमें वो लाखों दर्शक शामिल हैं, जो क्रिकेट नहीं देखते या नियमित तौर पर क्रिकेट से नहीं जुड़े हैं। रणवीर के साथ हमारी कोशिश यही है कि उनकी लोकप्रियता और कहानी कहने के उनके प्रभावशाली अंदाज के जरिए हम खेलों में भी वही जादू जगा सकें।

ऐश्वर्या राय और मणिरत्नम की उपस्थिति में हुआ पीएस 2 का ट्रेलर लॉन्च

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। ऐश्वर्या राय बच्चन की बहुप्रतीक्षित फिल्म इए2 का ट्रेलर जारी कर दिया गया है। इसके पहले एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इसमें ऐश्वर्या राय बच्चन के अलावा मणिरत्नम ने भी भाग लिया। इस अवसर पर ऐश्वर्या राय बच्चन मनिरत्नम के पैर छूते नजर आई। वहीं, उन्होंने मणिरत्नम की पत्नी सुहासिनी को गले लगाया। पोन्नीइन सेल्वन 2 फिल्म 28 अप्रैल को रिलीज हो रही है। ऐश्वर्या राय बच्चन काफी खूबसूरत लग रही थी। इस फिल्म में वह दोहरी भूमिका में है। इसके पहले चेन्नई के नेहरू इंडोर स्टेडियम में फिल्म का ट्रेलर लॉन्च किया गया है। गौरतलब है कि फिल्म के पहले भाग को काफी पसंद किया गया था। यह 2022 में रिलीज हुई थी। अब का ट्रेलर जारी किया जा रहा है। ऐश्वर्या राय बच्चन ने इस अवसर पर खूबसूरत पिंक और गोल्डन कलर की ड्रेस पहन रखी है। पोन्नीइन सेल्वन 2 फिल्म 28 अप्रैल को रिलीज हो रही है। ऐश्वर्या राय बच्चन काफी खूबसूरत लग रही थी। इस फिल्म में वह दोहरी भूमिका में है। इसके पहले चेन्नई के नेहरू इंडोर स्टेडियम में फिल्म का ट्रेलर लॉन्च किया गया है। गौरतलब है कि फिल्म के पहले अवसर पर खूबसूरत पिंक और गोल्डन कलर की ड्रेस पहन रखी है। ऐश्वर्या राय ने मनिरत्नम के साथ पहले भी काम किया है। उनका राय बॉलीवुड के अलावा साऊथ की फिल्म इंडस्ट्री में भी काफी फेमस है। वह कई कलाकारों के साथ काम कर चुकी है।

भाग को काफी पसंद किया गया था। यह 2022 में रिलीज हुई थी। अब का ट्रेलर जारी किया जा रहा है। ऐश्वर्या राय बच्चन ने इस अंदाज फैंस को काफी पसंद आता है। दोनों एक-दूसरे के साथ काम करना भी पसंद करते है। दोनों की जोड़ी भी काफी फेमस है। ऐश्वर्या वह बॉलीवुड की फिल्मों म भी जल्द नजर आनेवाली है। वह हाल ही में फिल्म फन्ने खान में नजर आई थी।

पुष्पा में आइटम डांस के लिए सामंथा का परिवार नहीं था राजी

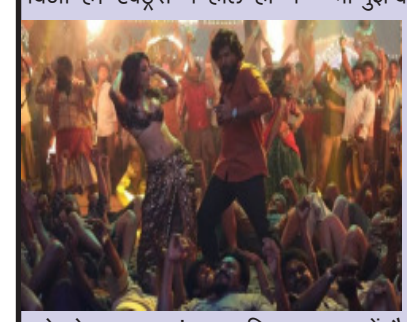

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली।साउथ के साथ बॉलीवुड में भी अपनी क्यूटनेस और एक्टिंग से फैंस के दिलों में राज करने वाली सामंथा इन दिनों फिल्म शकुंतलम के प्रमोशन में बिजी हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में

इसे लेकर एक इंटरव्यू दिया। जिसमें उन्होंने कई राज खोले। एक्ट्रेस ने फिल्म पुष्पा के लिए आइटम सॉन्ग करने से मना करने का कारण भी बताया। साथ ही उन्होंने अपने तलाक पर भी कई बातें शेयर कीं। सामंथा ने मिस मालिनी को दिए इंटरव्यू में बताया, 'जब मुझे 'ओ अंटवा' ऑफर हुई थी, उस वक्त मेरा तलाक होने वाला था। ऑफिशियल अनाउंसमेंट के बाद लोगों ने मुझसे कहा कि आइटम सॉन्ग मत करो। यहां तक कि जो मेरे सबसे करीबी दोस्त थे, जो हमेशा मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते थे। उन्होंने भी मुझे बैकआउट करने को कहा।' सामंथा ने आगे कहा, 'मैंने सोचा कि क्या मैंने कोई अपराध किया है मैं क्यों छिपकर रहूं। मैंने कुछ भी गलत नहीं किया था। मैं इस बात का इंतजार नहीं कर सकती थी कि लोग मुझसे नफरत करें, मेरी ट्रोलिंग करें और मैं थक हार कर घर में बैठ जाऊं। मैं छिपने वाली नहीं थी, क्योंकि मैंने कोई अपराध नहीं किया था। सामंथा ने अपनी शादी पर बात करते हुए आगे कहा, 'मैंने शादी को अपना 100ज्ञ् दिया। अब वो नहीं चली इसमें मेरा कोई कसूर नहीं है। मैं अपने आप को दोष नहीं दे सकती थी और न ही गिल्ट महसूस कर सकती थी।

मनीषा कोइराला का दावा- रजनीकांत की 'बाबा' फ्लॉप होने के चलते साउथ में हुआ करियर का अंत

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। फिल्म एक्ट्रेस मनीषा कोइराला ने एक इंटरव्यू में कहा है कि रजनीकांत की तमिल फिल्म बाबा रिलीज हुई थी। यह फिल्म फ्लॉप हो गई थी। इसके चलते दक्षिण भारत में उनका करियर लगभग समाप्त हो गया था। मनीषा कोइराला 'बाबा मेरी तमिल फिल्म इंडस्ट्री में आखिरी बड़ी फिल्म थी। यह उन दिनों इतनी बुरी तरह फ्लॉप हुई कि यह डिजास्टर साबित हुई। इस के जन्मदिन पर इस फिल्म को दोबारा रिलीज किया गया, तब बॉक्स ऑफिस पर इसने अच्छी कमाई की। गौरतलब है कि बाबा

बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई थी। इसके बाद उन्हें दक्षिण से ऑफर आने बंद हो गए थे। हालांकि, जब इस फिल्म को दोबारा रिलीज किया गया तो यह हिट साबित हुई। बाबा फिल्म को दिसंबर 2022 में दोबारा से रिलीज किया गया था। मनीषा कोइराला बॉम्बे, इंडियन और मुधालवन जैसी कई फिल्मों में काम किया था। यह फिल्म काफी पसंद की गई थी। बाबा 2002 में ने इंडिया ओ2 को इंटरव्यू दिया है। उन्होंने अपने करियर के बारे में बात की है। उन्होंने यह भी बताया कि किस प्रकार उनका करियर प्रभावित हुआ था। ट्विटर पर मनीषा कोइराला के इंटरव्यू की एक क्लिप वायरल हो रही है। इसमें बाबा के फ्लॉप होने पर पड़े उनके करियर के प्रभाव के बारे में सुना जा सकता है। वीडियो में मनीषा कोइराला कहती नजर आ रही हैं, फिल्म से लोगों को बहुत ज्यादा अपेक्षाएं थी और जब फिल्म फ्लॉप हुई तो मुझे लगता है दक्षिण की फिल्मों से मेरा करियर भी लगभग समाप्त हो गया।' मनीषा कोइराला ने यह भी कहा कि बाबा के पहले उन्होंने दक्षिण की कई फिल्मों में काम किया है। वह आगे कहती हैं, 'बाबा के फ्लॉप होने के बाद मुझे ऑफर मिलना बंद हो गया। उन्होंने यह भी कहा कि जब रजनीकांत में रजनीकांत की अहम भूमिका थी। फिल्म को 20 वर्षों के बाद दोबारा भी रिलीज किया गया था। इस बारे में बताते हुए मनीषा कोइराला कहती हैं, 'बड़ी विचित्र बात है। जब फिल्म को हाल ही में दोबारा भी रिलीज किया गया, तब यह फिल्म हिट साबित हुई है। रजनी सर कभी भी फ्लॉप देने के लिए नहीं जाने जाते। उनके साथ काम करने में मजा आता है।

अर्जुन कपूर की बहन ने पार की बोल्डनेस की सारी हदें, तस्वीरें देख लोगों ने कहा- मलाइका से भी एक कदम आगे निकली

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर अर्जुन कपूर की बहन अंशुला कपूर इन दिनों लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। अंशुला बीते कुछ वक्त से अपने ब्वॉयफ्रेंड रोहन ठक्कर को डेट करने को लेकर खबरों में छाई हैं। अंशुला, रोहन संग इस वक्त मालदीव में क्वालिटी टाइम बिता रही हैं। मालदीव से अंशुला ब्वॉयफ्रेंड संग रोमांटिक तस्वीरें शेयर कर रही हैं। इसी बीच अंशुला का बोल्ड फोटोशूट तेजी से वायरल हो रहा है अर्जुन कपूर की बहन अंशुला ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में अंशुला का सुपर बोल्ड अवतार देखने को मिल रहा है। फोटोज में आप देख सकते हैं कि अंशुला ने ब्लैक कलर की ऑफ शोल्डर बॉडीकॉन ड्रेस पहनी हुई है। इस ड्रेस को पहन कर वह जमीन में बैठकर हॉट पोज देती दिख रही हैं। तस्वीरों में अंशुला के एक्सप्रेशन काफी बोल्ड हैं। ऐसा लग रहा है जैसे वह अपनी आखों के जरिए बहुत कुछ कहना चाहती हैं। अंशुला कपूर ने अपनी इन तस्वीरों के साथ एक खास कैप्शन लिखा है। वो लिखती हैं, 'अपने शरीर से प्यार करने और उस पर के लिए काम करने वाली सभी लड़कियों के लिए जोर से आवाज उठाएं, क्योंकि यह मुश्किल है और मुझे आप पर गर्व है।' बता दें कि अंशुला की फैट टू फिट जर्नी काफी मुश्किलों भरी रही है। एक वक्त उनका वजन काफी ज्यादा था, लेनिक उन्होंने अपनी कड़ी मेहतन से आज खुद को फिट और हॉट बनाया है। अंशुला की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इन पर फैंस कमेंट कर अलग-अलग प्रतिक्रिया दे रहे हैं। इस पर कमेंट कर कई यूजर्स उनके कर्ली बालों की तारीफ कर रहे हैं। वहीं, कई उनकी हॉटनेस पर फिदा हो रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट कर उनकी तुलना अर्जुन कपूर की गर्लफ्रेंड मलाइका अरोड़ा से करते हुए कहा कि आप बोल्डनेस में उनसे एक कदम आगे निकलीं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।